राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल

सम्पर्क सरिता

वर्ष–2022–23 अंक–03 जुलाई – सितम्बर 2022 सम्पर्क सरिता

संपादक–मंडल

संरक्षक
श्री सी.पी. शर्मा

निदेशक
डॉ. सी.सी. त्रिपाठी

संपादक
प्रो. पी.के. पुरोहित

सह–संपादक
श्रीमती शोभा लेखवानी

डिज़ाइन
श्री जितेन्द्र चतुर्वेदी

सहयोग
श्रीमती साधना त्रिपाठी

छायांकन
श्री रितेन्द्र पवार

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान
शिक्षा मंत्रालय,
भारत सरकार,
शांति मार्ग, शामला हिल्स,
भोपाल 462002,
(म.प्र.) भारत

सोशल मीडिया लिंक
ट्विटर:
@nitttrbpl
फेसबुक:
@nitttrbhopalofficial
इंस्टाग्राम:
@nitttrbhopal

तिरंगे के नीचे ही सबकी प्रगति संभव है: श्री सी.पी. शर्मा

एनआईटीटीटीआर, भोपाल में स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में कई कार्यक्रम आयोजित किये गये। अध्यक्ष संचालक मंडल श्री सी.पी. शर्मा ने राष्ट्रध्वज फहराया तथा अपने संदेश में कहा कि स्वतंत्रता दिवस लोगों में देश भक्ति की भावना पैदा कर उनको एकजुट करता है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के अभियानों को देश के लिए एक उपलब्धि बताया और यह महसूस कराया कि हम एक राष्ट्र हैं, जहां कई अलग–अलग भाषाएं धर्म और सांस्कृतिक मूल्य हैं। अनेकता में एकता भारत का प्रमुख सारतत्व और शक्ति है। तिरंगे के नीचे ही भारत के समस्त धर्म एवं संप्रदाय के लोगों की प्रगति संभव है। निटर भोपाल तकनीकी शिक्षकों के प्रशिक्षण एवं सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस के माध्यम से देश के आत्मनिर्भर अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। संस्थान के निदेशक श्री सी.सी. त्रिपाठी ने कहा कि हर घर तिरंगा के साथ ही आज ऐसा लग रहा है कि हर दिल में तिरंगा है। सारा देश आज़ादी के जश्न में डूबा है और शायद यही इस पर्व की सार्थकता भी है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर निटर परिवार के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर संस्थान के संकाय, अधिकारी, कर्मचारी, एवं उनके परिवार के सदस्य भी उपस्थित थे।

दिल से किया गया कार्य बोलता हैः प्रो. सी.सी. त्रिपाठी

एनआईटीटीटीआर भोपाल में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति क्र01 की वर्ष 2022 की प्रथम अर्धवार्षिक बैठक दिनांक 15 जुलाई 2022 को आयोजित की गई। बैठक में लगभग 70 नराकास के सदस्य कार्यालयों के कार्यालय प्रमुख एवं राजभाषा अधिकारी शामिल हुए। इस अवसर पर बोलते हुए संस्थान के निदेशक एवं नराकास अध्यक्ष प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने कहा कि निटर भोपाल हिन्दी में

कार्य करने के प्रति सजग एवं वचनबद्ध है। तकनीकी संस्थान होने के बावजूद हमारे संस्थान का प्रत्येक व्यक्ति दिल से हिन्दी में कार्य करता है एवं दिल से किया गया कार्य बोलता एवं दिखता

है। हमारे यहां हिन्दी में कार्य औपचारिकता निभाने के लिए नहीं अपितु अपनी मातृभाषा के प्रति उनके समर्पण लगाव एवं सम्मान को दर्शाता है। हमारा दुर्भाग्य है कि सरकार को विभिन्न कार्यालयों को हिन्दी में कार्य करने हेतु आदेश जारी करना पड़ता है, जिससे मन में पीड़ा होती है। पिछले कुछ समय में अंतर्राष्ट्रीय पटल पर देश के प्रधानमंत्री द्वारा हिन्दी में दिये गए उदबोद्यन प्रेरणा देते हैं। कई देश अपनी मातृभाषा में ही शिक्षा देकर विकसित देश की श्रेणी में शामिल हुए हैं। नई शिक्षा नीति–2020 इस दिशा में ही एक सशक्त कदम है, जिसमें मातृभाषा के साथ–साथ विभिन्न क्षेत्रिय भाषाओं में भी अध्ययन–अध्यापन को अनिवार्य किया गया हैं। मध्य प्रदेश साहित्य अकादमी के निदेशक एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. विकास दवे ने कहा कि हिंदी हृदय की भाषा है, जो दिलों को जोड़ने का काम करती है। डर से नहीं हृदय से हिंदी में कार्य करें। हम सिर्फ आंकड़ों की बात न करें, हम बिना डरे हिंदी में लिखने में संकोच न करें। कार्यालयीन के साथ सामान्य हिंदी को भी बढ़ावा दें। कार्यक्रम का संचालन सदस्य सचिव श्रीमती शोभा लेखवानी ने किया एवं सभी सदस्य कार्यालयों की राजभाषा की छमाही रिपोर्ट की समीक्षा प्रस्तुत की।

नई शिक्षा नीति एवं भविष्य की आवश्यकताओं को केंद्र में रखते हुए कार्ययोजना बनायीं जाये

अकादमिक परिषद की बैठक में हुए महत्वपूर्ण निर्णय

एनआईटीटीटीआर भोपाल में अकादमिक परिषद् की महत्वपूर्ण बैठक 23 सितम्बर 2022 को संपन्न हुई। निदेशक प्रो. सी. सी. त्रिपाठी ने बताया कि इस बैठक में निटर की भावी अकादमिक कार्य योजनाओं से संबंधित महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इनमें देश के जाने माने शिक्षाविदों के सुझाव एवं निटर संकाय सदस्यों के सुझाव शामिल हैं। इस बैठक में सभी ने एक मत से इस विषय पर सहमति प्रकट की कि हमारे समृद्ध एवं स्वर्णिम अतीत एवं भविष्य की आवश्यकताओं के बीच संतुलन हो एवं नई शिक्षा नीति को केंद्र में रखते हुए कार्ययोजना बनायी जाये। इस बैठक में संस्थान के नए प्रशिक्षण कार्यक्रम जिनमें प्राइवेट संस्थानों के शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण, सेंटर ऑफ एक्सपीरिएंशल लर्निंग की स्थापना, निटर उत्कृष्टता केंद्र द्वारा आयोजित किये जाने वाले डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट

कार्यक्रम, निटर के संकाय के लिए विभिन्न एरिया में अवार्ड्स प्रारम्भ करना, इनोवेशन एवं स्टार्टअप पॉलिसी, निटर के कार्यक्रमों के लिए डिजिटल प्लेटफार्म का निर्माण, प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम, नई संकाय की नियुक्तियों, आईपीआर नीति, स्टूडेंट्स के लिए

इंटर्नशिप, आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर व्याख्यान माला में देश के प्रख्यात विशेषज्ञों को आमंत्रित करना, आदि विषयों से सम्बंधित महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

अकादमिक परिषद् के सचिव प्रो. संजय अग्रवाल ने बताया कि इस बैठक में प्रो. के. एन. सिंह कुलपति सेंट्रल यूनिवर्सिटी गया, प्रो. विनोद कुमार कनौजिया, प्रो. आशुतोष कुमार सिंह एन आई टी कुरुक्षेत्र, श्री के. के. अरोरा, प्रो. सुधीर भदोरिया, प्रो. अनिल कोठारी, प्रो. धर्मेंद्र सिंह आई आई टी रुड़की, प्रो. शशि रंजन अकेला, प्रो. सथंस सुहाग, डॉ. अविनाश श्रीवास्तव डायरेक्टर एम्प्री भोपाल, प्रो. रमेश चंद रमोला,

प्रो. सीमा सिंह कुलपति राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रो. घनश्याम पंडया कमिश्नर टेक्निकल एजुकेशन, गुजरात प्रो. शिशिर सिंह एवं अन्य आमंत्रित सदस्य एवं विशेषज्ञ उपस्थित थे। निटर एवं सिपेट भोपाल के बीच एक महत्वपूर्ण समझौते पर भी हस्ताक्षर किये गये। भविष्य में निटर भोपाल देश के विभिन्न संस्थानों के साथ कई अन्य समझौते पर भी हस्ताक्षर करेगा।

गुजरात के तकनीकी शिक्षण एवं प्रशिक्षण में निटर का योगदान महत्वपूर्ण : श्री जी टी पंड्या

तकनीकी शिक्षण, प्रशिक्षण, पाठ्यक्रम निर्माण, शोध के क्षेत्र में निटर भोपाल का योगदान महत्वपूर्ण है। यह विचार श्री जी टी पंड्या, डायरेक्टर टेक्निकल एजुकेशन गुजरात ने निटर भोपाल में आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के समापन अवसर पर व्यक्त किये। उन्होंने गुजरात में तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में किये जा रहे अभिनव प्रयोग एवं उनके परिणामों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि गुजरात में तकनीकी शिक्षा ग्रहण कर रहे विधार्थियों, शिक्षकों के लिए विशेष आयोजन किये गए हैं, जिनके उल्लेखनीय परिणाम सामने आये हैं। उन्होंने पांच वर्षों के डाटा के साथ गुजरात की उपलब्धियों को बताया। श्री जी. टी. पंडया ने निटर भोपाल की प्रंशसा करते हुए कहा कि प्रशिक्षणार्थियों को शिक्षा प्रौद्योगिकी के विभिन्न आयामों का प्रशिक्षण देने के लिए निटर संस्थान का धन्यवाद। उन्होंने यह भी कहा कि निटर भोपाल के रिसर्च प्रोजेक्ट में से यदि गुजरात के प्रशिक्षणार्थी जिस भी प्रोजेक्ट पर कार्य करेंगे तो निटर भोपाल को हम अपना मेंटर बनाएंगे। उन्होंने शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि ''आपने जो प्रशिक्षण यहां से लिया है उसको अपने छात्रों के साथ भी साझा करें।''

निटर निदेशक प्रो. सी. सी. त्रिपाठी ने कहा कि हमारा संस्थान इस क्षेत्र में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। गुजरात के शिक्षक एवं विद्यार्थियों निटर के उत्कृष्टता केंद्र द्वारा आयोजित किये जाने वाले डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट प्रोग्राम, रिसर्च प्रोजेक्ट्स एवं प्रस्तावित एक्सपीरिऐंशिअल लर्निंग सेंटर में आकर प्रशिक्षण के साथ–साथ शोध कार्य भी कर सकते हैं। प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी का कहना है कि शोध सिर्फ पत्रिकाओं में छपने तक ही सीमित न रहे बल्कि शोध विकास के लिए भी हो। प्रो. सी. सी. त्रिपाठी ने प्रशिक्षण कार्यक्रमों में गुजरात के प्रशिक्षणार्थियों को भेजने एवं निटर को मेंटर बनाने के लिए श्री जी. टी. पंडया को धन्यवाद दिया ।

भारत का स्वाधीनता संग्राम विश्व के अब तक के सबसे महान और गौरवशाली संघर्षों में से एकः प्रो. सी.सी. त्रिपाठी

एनआईटीटीटीआर भोपाल में आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत देश के प्रमुख हिन्दी साहित्यकारों का संक्षिप्त जीवन परिचय का तस्वीरों के साथ अनवारण किया गया। इस अवसर पर निदेशक प्रो. सी. सी. त्रिपाठी ने कहा कि स्वतंत्रता के इस महायज्ञ में कवियों, साहित्यकारों और लेखकों का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने आम जनता में राष्ट्रप्रेम की भावना जगाने तथा उन्हें स्वाधीनता आन्दोलन का हिस्सा बनने हेतु प्रेरित किया। माखनलाल चतुर्वेदी की श्रेष्ठ कविता 'मुझे तोड़ लेना वनमाली उस पथ पर तुम देना फेंक', मैथिलीशरण गुप्त की कविता 'हे मातृभूमि',

दुष्यंत कुमार की गजल 'हो गई है पीर पर्वत–सी पिघलनी चाहिए', प्रेमचंद की रंगभूमि, कर्मभूमि उपन्यास हो या भारतेंदु हरिश्चंद्र का भारत दर्शन या जयशंकर प्रसाद का चन्द्रगुप्त– सभी देश प्रेम की भावना से ओत–प्रोत हैं। रामधारी सिंह दिनकर ने अपनी कविता से देशप्रेम का ऐसा अलख जगाया कि लोग घरों से बाहर निकल आये और स्वतंत्रता आन्दोलन में अपना योगदान दिया। प्रो. सी. सी. त्रिपाठी ने 'आजादी के अमृत महोत्सव' का महत्व बताते हुए कहा कि भारत का स्वाधीनता संग्राम विश्व के अब तक के सबसे महान और गौरवशाली संघर्षों में से एक रहा है। इस बार यह अवसर इसलिए भी विशेष है, क्योंकि आजादी के 75 वें वर्ष को देश अमृत महोत्सव के रूप में मना रहा है। यह महोत्सव क्रांतिकारियों, स्वतंत्रता सेनानियों, देशभक्तों के स्वाधीनता आंदोलन का ऐसा अमृत है जो हमें देश के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा देता है। हमारे देश के प्रधानमंत्री ने 2021 में इसकी शुरुआत साबरमती आश्रम से की थी, महात्मा गांधी ने इसी क्षेत्र से आज़ादी की लड़ाई का संचालन किया था। कार्यक्रम के संयोजक एवं जनसम्पर्क अधिकारी प्रो. पी. के. पुरोहित ने इस अवसर पर कवि मोहम्मद इकबाल के शब्दों को दोहराया कि– "कुछ तो बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी, सदियों रहा है दुश्मन दौरे जहाँ हमारा।" इन साहित्यकारों में मुंशी प्रेमचंद, रामधारी सिंह दिनकर, महादेवी वर्मा, बालकृष्ण शर्मा 'नवीन', सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', पंडित गोदावरीश मिश्र, पंडित माखनलाल चतुर्वेदी, गजानन माधव 'मुक्तिबोध', सुभद्रा

कुमारी चौहान, हरिशंकर परसाई, शरद जोशी, भवानीप्रसाद मिश्र, शिवमंगल सिंह ‘सुमन, दुष्यंत कुमार, रबीन्द्रनाथ टैगोर, महाकवि सुब्रमण्य भारती, तिरुवल्लुवर, बंकिमचंद्र चटर्जी, भारतेंदु हरिश्चंद्र, सुमित्रानंदन पन्त, जयशंकर प्रसाद, मैथिलीशरण गुप्त आदि शामिल हैं।

गुरु की स्मृति में वृक्षारोपण का कार्य करें

प्रो. सी.सी. त्रिपाठी

निटर, भोपाल में 08 जुलाई 2022 को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने कहा कि ‘‘आज हम सभी अपने अपने गुरु की स्मृति में वृक्षारोपण का कार्य करें एवं इन वृक्षों की देखभाल भी करें। इस अवसर पर इस से पुनीत कार्य कुछ नहीं हो सकता। वृक्षारोपण के माध्यम से हम सभी अपने अपने गुरु की प्रति अपने आदर एवं सम्मान को प्रकट कर सकते हैं।’’ इस अवसर पर प्रो. ए.के. जैन, प्रो सुब्रत रॉय सहित संस्थान के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। इस अवसर पर फलदार वृक्षों को लगाया गया।

मिलेट्स के न्यूट्रिशन से भरपूर खजाने को अपने भोजन में अपनाकर हम गंभीर बीमारियों से बच सकते हैं –

श्रीमती देबबंद्या महापात्र

निटर, भोपाल के निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी द्वारा ‘आजादी का अमृत महोत्सव’ के अवसर पर व्याख्यान माला की शुरुआत की गयी है। इसी तारतम्य के द्वितीय व्याख्यान में सीआईएई भोपाल की वैज्ञानिक डॉ. (श्रीमती) देबबंद्या महापात्र ने ”मिलेट्स– हेल्थ बेनेफिट्स एंड यूजेस“ पर अपना महत्वपूर्ण व्याख्यान दिया। श्रीमती देबबंद्या ने अपने व्याख्यान के अंतर्गत कहा कि ‘‘मिलेट्स कभी हमारे ही खान–पान का हिस्सा हुआ करते थे, लेकिन समय के साथ ये हमारी थालियों से गायब होते चले गए। लेकिन, अब एक बार फिर मिलेट्स को बढ़ावा देने के लिए पीएम मोदी की पहल पर यूएन

ने 2023 को 'इंटरनेशनल ईयर ऑफ मिलेट्स' घोषित किया है।'' उन्होंने बताया कि मिलेट्स के पौष्टिक तत्वों से भरपूर खजाने को अपने भोजन में शामिल कर हम गंभीर बीमारियों से बच सकते हैं। दुनिया ने कोविड के दौरान सेहत के लिहाज से मोटे अनाजों के महत्व को समझा है। इसलिए किसानों के लिए इसे उगाना अधिक फायदेमंद समझा जा रहा है। यह अनाज कम पानी और कम उपजाऊ भूमि में भी उग जाता है और दाम भी गेहूं से अधिक प्राप्त होता है। यानि अब समय आ गया है कि मिलेट्स के इस खजाने को फिर से भरा जाए। ताकि जिस भोजन को हमने छोड़ दिया था या भुला दिया था उसे हमें फिर से अपनाना होगा। मिलेट्स में आने वाले जौ, ज्वार, बाजरा, रागी, मक्का, कोदो, कुटकी, कंगनी जैसे अनेक अनाजों को हमें फिर से अपने खान–पान का हिस्सा बनाना होगा। व्याख्यान के आरंभ में प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने अमृत महोत्सव में भाग लेने के लिए सभी को शपथ भी दिलवाई। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक सहित निटर के संकाय सदस्य, अधिकारी, कर्मचारीगण उपस्थित थे।

मिलेटस को अपने आहार में शामिल करके हम सशक्त एवं स्वस्थ भारत का निर्माण कर सकते हैः

डॉ. राज भंडारी

निटर, भोपाल के निदेशक प्रो. सी. सी. त्रिपाठी द्वारा ''आजादी का अमृत महोत्सव'' के अवसर पर व्याख्यान माला की शुरुआत की गयी है। इसी श्रृंखला के तृतीय व्याख्यान में वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ एवं राष्ट्रीय मिलेटस टास्क फोर्स की सदस्य डॉ. राज भंडारी ने ''न्यूट्रिशन सिक्योरिटी विथ मिलेटस'' पर एक व्याख्यान दिया। इस व्याख्यान में डॉ. भंडारी ने मिलेट्स के न्यूट्रिशन से संबंधित विभिन्न तथ्यों को वैज्ञानिक शोध के आधार पर प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि मोटे अनाज को अपने आहार में शामिल करके हम सशक्त भारत का निर्माण कर सकते हैं। भारतीय किसान यदि मोटे अनाज को खेती में शामिल करें तो पर्यावरण भी सुरक्षित और संरक्षित रहेगा।

संस्थान के निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने रोचक उदाहरणों के माध्यम से बताया कि हमारे पूर्वज किस तरह अपने खानपान एवं रहन सहन से स्वस्थ रहा करते थे। भारतीय परंपरागत ज्ञान को तथ्यों के साथ सामने लाकर नई पीढ़ी को जागरूक करना होगा। हमारा भारतीय पारंपारिक ज्ञान हर क्षेत्र में समृद्ध एवं वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित रहा है। इसे पुर्नस्थापित किया जाना आज के समय की मांग है। वर्तमान परिपेक्ष्य में भारतीय परंपरागत खान–पान हमें स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याओं से निजात दिला सकता है। एसपीए, भोपाल एवं निटर, भोपाल ने संयुक्त रूप से इस कार्यक्रम का आयोजन किया। निटर एवं एसपीए, भोपाल ने अपनी मेस में मिलेटस के उपयोग को शामिल करना प्रारम्भ कर दिया है। इस व्याख्यान में एसपीए, भोपाल एवं निटर, भोपाल के संकाय सदस्य, अधिकारी, कर्मचारीगण एवं विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

पलायन और विस्थापन की पीड़ा हृदय विदारक होती हैः श्री सी.पी. शर्मा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के आहवान पर 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की गई। इस संदर्भ में निटर, भोपाल में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उन परिवारों ने अपने संस्मरण साझा किये जिन्होंने विभाजन का दर्द झेला है। श्रीमती शोभा लेखवानी ने कहा कि ''उनके दादा–दादी, नाना–नानी विभाजन के चश्मदीद गवाह थे। उन्हें आज़ादी की खुशी के साथ विस्थापन का दर्द मिला कि सिन्ध (जो कि तब भारत में ही था) प्रांत से आकर अपने ही देश में शरणार्थी बनना पड़ा।'' उन्होंने उनकी दर्दनाक स्थितियां सुनाईं जिससे सभागार में उपस्थित लोगों की आंखे नम हो गयीं।

निटर, भोपाल के पूर्व प्राध्यापक प्रो. जी.टी. लाला जिनका परिवार आजादी के बाद सिंध से विस्थापित हुआ ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि उनका परिवार भी पाकिस्तान छोड़कर भारत आया था। पूरे देश में अफरा–तफरी का माहौल था। हिंदू, मुस्लिम और सिख

समुदाय के लोग अपने सुरक्षित भविष्य की तलाश में बॉर्डर क्रॉस कर रहे थे। बड़ी मुश्किल से जान बचाकर उनका परिवार जहाज के रास्ते बॉम्बे पहुंचा फिर बैतूल आकर अपनी जीविका के लिए संघर्ष किया। निटर, भोपाल के अध्यक्ष संचालक मंडल श्री सी.पी. शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि ''पलायन और विस्थापन की पीड़ा हृदय विदारक होती है। देश के बंटवारे के दर्द को कभी भुलाया नहीं जा सकता। एक विभाजन हो चुका आगे और नफरत की रेखाऐं नहीं खिंचनी चाहिए। तिरंगे के नीचे ही हमारी प्रगति संभव है। हिंसा की वजह से हमारे लाखों बहनों और भाईयों को विस्थापित होना पड़ा और अपनी जान तक गंवानी पड़ी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र

मोदी जी ने आजादी के अमृत महोत्सव के साथ ''विभाजन की विभीषिका दिवस'' को जोड़कर एक महत्वपूर्ण संदेश दिया है एवं इस विषय पर खुलकर चर्चा करने का अवसर भी प्रदान किया है।'' इस अवसर पर निटर, भोपाल के प्रभारी निर्देशक प्रो. ए.के. जैन, प्रो. सुब्रत राय प्रो. अस्मिता खजांची सहित संकाय सदस्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

कोरोना बूस्टर डोज़ टीकाकरण सम्पन्न

निटर, भोपाल में ''आज़ादी का अमृत महोत्सव'' के अंतर्गत कोरोना बूस्टर डोज़ (तीसरा टीकाकरण) कार्यक्रम दिनांक 28 जुलाई 2022 को आयोजित किया गया। इसमें संस्थान के सभी कर्मचारियों एवं उनके परिवारजनों ने बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया। शासकीय काटजू अस्पताल से आई टीम ने कोविशील्ड और कोवेक्सिन के टीके लगाये।

संस्थान के प्रशासन विभाग, लेखा विभाग, मीडिया विभाग, अनुरक्षण विभाग, कम्प्यूटर विभाग, पीओसी एवं मेस समिति के विशेष सहयोग से कार्यकारी समिति ने इस कार्यक्रम को आयोजित किया। स्वास्थ्य विभाग ने 12 वर्ष से 16 वर्ष के बच्चों के लिए भी टीके उपलब्ध करवाए। निदेशक महोदय डॉ. सी.सी. त्रिपाठी, अधिष्ठाता डॉ. ए.के. जैन, डॉ. पी.के. पुरोहित, प्रो. अस्मिता खजांची एवं प्रो. पालीवाल के मार्गदर्शन में यह कार्य सम्पन्न हुआ।

विज्ञान का उद्देश्य कभी भी जीवन के उद्देश्य से अलग नहीं हो सकता– प्रो. पी.बी. शर्मा

एनआईटीटीटीआर भोपाल में निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी द्वारा 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अंतर्गत व्याख्यान माला की शुरुआत की। इसके प्रथम ऑनलाइन व्याख्यान में भारत के जाने–माने शिक्षाविद् एवं एमिटी विश्वविद्यालय गुरुग्राम के कुलपति प्रो. डॉ. पी.बी. शर्मा ने ''ज्ञान और स्थिरता के नए युग में उच्च शिक्षा के लिए शिक्षकों को तैयार करना'' विषय पर अपना महत्वपूर्ण व्याख्यान दिया। प्रो. पी.बी. शर्मा

ने कहा कि भारत का उच्च शिक्षा तंत्र अमेरिका व चीन के बाद विश्व का तीसरा सबसे बड़ा एवं उच्च शिक्षा तंत्र है।

विगत 70 वर्षों में देश के विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों विद्यार्थियों और शिक्षकों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है। सभी को उच्च शिक्षा के समान अवसर सुलभ कराने की नीति के अंतर्गत उच्च शिक्षा में पुनर्संरचना की आवश्यकता है तथा बेहतर गुणवत्ता वाले शिक्षकों को इस तरह से तैयार करना चाहिए कि वे उच्च शिक्षा को कौशल व्यावसायिक प्रशिक्षण और उद्योगों के साथ एकीकृत कर सकें। इस तरह से तैयार किये गये शिक्षकों द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षण कौशल छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप ज्ञान, कौशल और क्षमता प्रदान करेगा तथा यह छात्रों को वैश्विक नागरिक के रूप में अपनी प्रासंगिता बढ़ाने वाले वैश्विक दृष्टिकोण को विकसित करने में भी सहायक होगा। अपने व्याख्यान में प्रो. शर्मा द्वारा स्मार्ट फ्यूचर टेक्नोलॉजी, साइबर एज, नेनो, बायो तथा ग्लोबल वार्मिंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी अपने विचार प्रस्तुत किये । इस व्याख्यान में संस्थान के निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी तथा निटर एवं स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर के संकाय सदस्य, अधिकारी, कर्मचारीगण उपस्थित थे ।

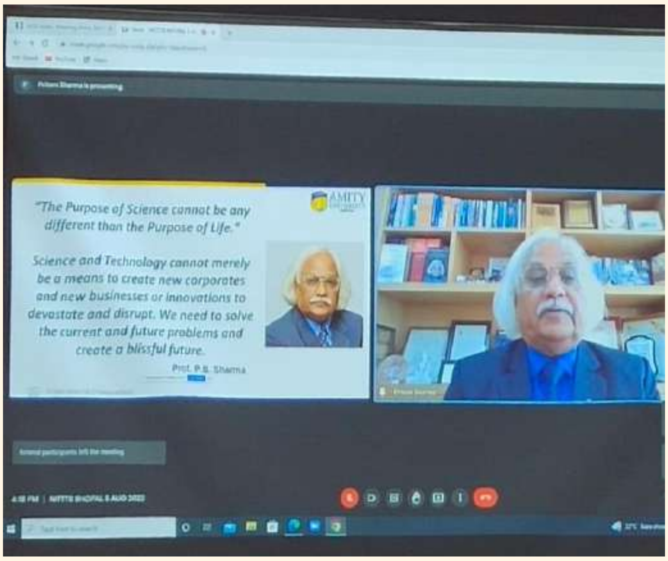

हर घर तिरंगा अभियान राष्ट्रप्रेम का एक अनूठा यज्ञ है, तिरंगे को गर्व और गौरव से फहराएं– प्रो. सी. सी. त्रिपाठी

एनआईटीटीटीआर भोपाल के निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने संकाय सदस्यों, अधिकारियों, कर्मचारियों व उनके परिवारों को आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर पी.एम. मोदी जी ने हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए प्रेरित किया एवं इसमें भाग लेने का आह्वान किया। प्रो. त्रिपाठी ने बताया कि राष्ट्रध्वज के साथ नागरिकों का संबंध हमेशा औपचारिक और विशुद्ध रूप से संस्थागत रहा है। यह अभियान, इसे प्रत्येक नागरिक के लिए व्यक्तिगत बनाने का प्रयास करता है

और राष्ट्र निर्माण के प्रति नागरिकों की प्रतिबद्धता के महत्व पर भी ज़ोर देता है। लोगों के हृदय में स्वतंत्रता संग्राम को स्मरण रखने, देश के लिए बलिदान देने वालों को याद करने और देशभक्ति के साथ कृतज्ञता की भावना को बढ़ाने के उद्देश्य से यह अभियान आयोजित किया जा रहा है। 'हर घर तिरंगा' अभियान एक बेहद ही वृहद् और महत्वपूर्ण अभियान है। स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में एक राष्ट्र के रूप में ध्वज को सामूहिक रूप से लाना इस प्रकार न केवल तिरंगे के साथ व्यक्तिगत जुड़ाव बन जाता है, बल्कि राष्ट्र निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और सम्मान का प्रतीक भी बन जाता है। भारत के राष्ट्रध्वज 'तिरंगे' को लेकर हम सभी गौरव और सम्मान की भावना रखते हैं। विश्व के हर देश के लिए अपने देश का राष्ट्रध्वज बहुत ही महत्वपूर्ण और सम्माननीय होता है। देश का झंडा अपने देश की आन बान और शान का प्रतीक माना जाता है। भारत के लोग भी अपने देश के तिरंगे का बहुत सम्मान और आदर करते हैं। प्रो. त्रिपाठी ने निटर परिवार से अपने–अपने घरों में तिरंगा फहराने तथा मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रोफाइल फोटो में तिरंगा लगाने का आग्रह किया।

तिरंगे के रंग में रंगा निटर भोपाल कैंपस

एनआईटीटीटीआर भोपाल कैंपस में तिरंगा रैली निकली

"आजादी का अमृत महोत्सव" के अवसर पर दिनांक 12 अगस्त 2022 को निटर भोपाल के कैंपस में तिरंगा रैली निकाली गयी। इस रैली में निटर के निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी सहित संस्थान परिवार के सदस्यों एवं बच्चों ने उत्साह के साथ सहभागिता की। इस अवसर पर प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने संकाय सदस्यों, अधिकारियों, कर्मचारियों व उनके परिवारों को आजादी की 75वीं वर्षगांठ पर हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने एवं इसमें भाग लेने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान राष्ट्रप्रेम का एक अनूठा यज्ञ है, तिरंगे को गर्व और गौरव से फहराएं। आज हम जिस तिरंगे की छांव में खड़े हैं वो हमें जीवन जीने के सही तरीके सिखाता

है। इस तिरंगे में सबसे ऊपर दिखने वाला केसरिया रंग देश की ताकत और साहस का प्रतीक है। वहीं बीच में सफेद रंग शान्ति, सद्भावना और सभी धर्मो का सम्मान करना सिखाता है। तिरंगे की सबसे निचली पट्टी पर हरा रंग देश के विकास और समृद्धि का प्रतीक है। झंडे के बीच में बना अशोक चक्र हमें निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। भारत की संस्कृति को उसके झंडे में देखा जा सकता है।

पंचमहाभूत चिकित्सा पर आधारित प्राकृतिक चिकित्सा दवारहित, सर्वसुलभ, साइड इफेक्ट रहित चिकित्सा पद्धति है– डॉ. रमेश टेवानी

स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत निटर भोपाल में संत हिरदाराम मेडिकल कॉलेज ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंस के संस्थापक डॉ. रमेश टेवानी का प्राकृतिक चिकित्सा पर व्याख्यान का आयोजन हुआ। अपने व्याख्यान में डॉ. रमेश टेवानी ने कहा कि आरोग्य केंद्र प्राकृतिक चिकित्सा के सिद्धांतों पर चलता है। प्राकृतिक चिकित्सा में प्रकृति द्वारा दिए गए उपहार मिट्टी, पानी, धूप, हवा के आधार पर चिकित्सा की जाती है। आरोग्य केंद्र में नागरिकों को जीवन

जीने की कला सिखाई जाती है। खानपान में सुधार और जीवनशैली में सुधार कर हम आजीवन स्वस्थ रह सकते हैं। आरोग्य केंद्र की ओर से समय–समय पर विशेष स्वास्थ्य शिविर लगाए जाते हैं ताकि लोग यहां स्वास्थ्य लाभ ले सकें और बाद में घर पर रहकर ही अपने खानपान में सुधार कर आजीवन स्वस्थ रह सकें। प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र का संचालन मानव सेवा के प्रतीक संत हिरदाराम जी के आशीर्वाद एवं प्रेरणा से किया जाता है। इस व्याख्यान में निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी, संकाय सदस्य, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री गतिशक्ति योजना से भारत को विश्व की व्यापारिक राजधानी बनने में मदद मिलेगीः श्री सी.पी. शर्मा

एनआईटीटीटीआर, भोपाल प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना के अंतर्गत आने वाले विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण कार्य प्रदान करेगा। संस्थान के निदेशक डॉ. सी.सी. त्रिपाठी के अनुसार भारत में, लॉजिस्टिक क्षेत्र बहुत प्रमुख क्षेत्र है, जो भारत के सकल घरेलू उत्पादक का लगभग 14 प्रतिशत है जबकि विकसित देशों में यह 8 प्रतिशत है। इसलिए इस क्षेत्र के संचालन में तत्काल सुधार की आवश्यकता है। इसलिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने कनेक्टिविटी में सुधार के लिए मल्टी–मॉडल कनेक्टिविटी के लिए राष्ट्रीय मास्टर प्लान पीएम गतिशक्ति नाम से लॉन्च किया है। इस योजना के माध्यम से देश की सप्लाई चेन के नेटवर्क को बेहतर तरीके से संचालित करना, रोजगार के अवसरों में वृद्धि करना, इन्फ्रास्ट्रक्चर का सर्वांगीण विकास, लोकल मेन्युफेक्चरर को भी विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना, नए आर्थिक क्षेत्र को विकसित करना, आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर में होलिस्टिक अप्रोच को अपनाना, देश की अर्थव्यवस्था को गति देना, देश में मौजूदा ट्रांसपोर्ट के संसाधनों में आपसी तालमेल बढ़ाना, देश के इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट के विकास को ज़ोर देना आदि प्रमुख हैं। एनआईटीटीटीआर, भोपाल ने ज्ञान प्रसार के लिए इंटर डिसिप्लिनरी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संचालन के माध्यम से इस पहल में महत्वपूर्ण योगदान देने का निर्णय लिया है।

अध्यक्ष संचालक मंडल श्री सी.पी. शर्मा ने प्रधानमंत्री श्री मोदी जी को इस महत्वपूर्ण परियोजना के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में ही इंफ्रास्ट्रक्चर तथा कनेक्टिविटी से जुड़े 16 मंत्रालयों को एक साथ लाना संभव हो पाया है। इस परियोजना के व्यापक असर शीघ्र दिखाई देंगे एवं इस समग्र एवं एकीकृत परिवहन कनेक्टिविटी रणनीति के माध्यम से 'मेक इन इंडिया' अभियान को बल मिलेगा। इससे भारत को विश्व की व्यापारिक राजधानी बनने में मदद मिलेगी। निटर भोपाल इस दिशा में 13 प्रशिक्षण कार्यक्रमों में जिनमें वेयरहाउस मैनेजमेंट, इनोवेशन इन सप्लाई चेन, डिजिटल सप्लाई चेन, डिजिटल इनोवेशन इन टेक्नोलॉजी एंड सप्लाई चेन मैनेजमेंट, ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम एवं नेटवर्क डिज़ाइन, ई–कॉमर्स सप्लाई चेन, एयर कार्गो हैंडलिंग एंड मैंनेजमेंट, कमर्शियल आस्पेक्ट्स ऑफ़ लॉजिस्टिक्स एंड सप्लाई चेन इंडस्ट्री, स्ट्रेटेजिक मैनेमेंट इन मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट सिस्टम्स, ट्रांसपोर्टेशन एंड शिपिंग लोजिस्टिक्स

मैनेजमेंट, ह्यूमिनिटेरियन सप्लाई चेन, हेल्थ केयर सप्लाई चेन, सप्लाई चेन फाइनेंस आदि विषयों में प्रशिक्षण कार्य करेगा।

इन कार्यक्रमों को गति देने के लिए निटर, भोपाल देश के प्रमुख संस्थानों के विषय विशेषज्ञों का सहयोग भी लेगा। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में टेक्निकल इंस्टीट्यूशन की फैकल्टी, सप्लाई चेन मेनेजमेंट के क्षेत्र में कार्य करने वाले प्रतिनिधि भाग ले सकते हैं।

युवा पीढ़ी हमारी समृद्ध भारतीय वैज्ञानिक परम्परा को पहचाने एवं उस पर गर्व करें: प्रो.सी.सी. त्रिपाठी

एनआईटीटीटीआर भोपाल में अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा देश के प्रमुख प्राचीन भारतीय वैज्ञानिकों एवं गणितज्ञों का संक्षिप्त जीवन परिचय उनकी तस्वीरों के साथ का संकलन किया जायेगा। निदेशक प्रो. सी. सी. त्रिपाठी ने बताया कि पाश्चात्य वैज्ञानिकों के बारे में विश्व के अधिकांश लोगों को काफी जानकारी है। स्कूल कॉलेजों में भी इस विषय पर काफी कुछ पढ़ाया जाता है पर बड़े खेद की बात है कि प्राचीन भारत के महान वैज्ञानिकों के बारे में आज भी संसार बहुत कम जानता है। प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि धर्म, दर्शन, विज्ञान, वास्तु, ज्योतिष, खगोल, स्थापत्य कला, नृत्य कला, संगीत कला, आदि सभी तरह के ज्ञान का जन्म भारत में हुआ है। ऐसा कहने में कोई गुरेज़ नहीं, क्योंकि इसके हजारों प्रमाण हैं। भारत में प्राचीनकाल से ही ज्ञान को अत्यधिक महत्व दिया गया है। कला, विज्ञान, गणित और ऐसे अनगिनित क्षेत्र हैं जिनमें भारतीय योगदान अनुपम है। आधुनिक युग के ऐसे बहुत से अविष्कार हैं, जो भारतीय शोधों के निष्कर्षों पर आधारित हैं। हमारे देश के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को यह जानकारी होनी चाहिए कि बौधायन पहले विद्वान् थे जिन्होंने गणित में कई अवधारणाओं को स्पष्ट किया जो बाद में पश्चिमी दुनिया द्वारा पुनः खोजी गईं।

आर्यभट्ट ने 23 वर्ष की उम्र में आर्यभट्टियम लिखा जो उस समय के गणित का सारांश है। कणाद छठी शताब्दी के वैज्ञानिक थे जिन्होंने एटम की खोज की। भास्कराचार्य 12वीं शताब्दी के विख्यात वैज्ञानिक थे, सुश्रुत शल्यचिकित्सा के क्षेत्र में अग्रणी हुए। चरक को प्राचीन भारतीय औषध विज्ञान का जनक माना जाता है। योग विज्ञान को सुव्यवस्थित रूप में प्रस्तुत करने का श्रेय पतंजलि को जाता है। "ॐ सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः यह श्लोक उपनिषद् से

लिया गया है। वह भी तब जब कागज का निर्माण नहीं हुआ था और छपाई कार्य भी प्रारंभ नहीं हुआ था, उस समय गुरु अपने शिष्य को समीप बैठा कर ज्ञान देता था। इसे वाचिक परम्परा कहा जाता था। अतः इस तरह की जानकारी द्वारा आज की युवा पीढ़ी हमारी समृद्ध भारतीय वैज्ञानिक परम्परा को पहचाने एवं उस पर गर्व कर सके।

निटर भोपाल इस दिशा में अभिनव प्रयोग करने जा रहा है एवं अपने परिसर में प्रमुख प्राचीन भारतीय परम्परा को सहेजते हुए वैज्ञानिकों एवं गणितज्ञों का संक्षिप्त जीवन परिचय तस्वीरों के साथ का अनावरण करेंगे। जिससे देश भर से आने वाले शिक्षकों एवं विद्यार्थियों तक हमारी गौरवपूर्ण ज्ञान परंपरा पहुँच सके एवं इस पर गर्व कर सके। निटर भोपाल के विज्ञान विभाग द्वारा इस गतिविधि को संचालित किया जाना प्रस्तावित है।

कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया की बैठक सम्पन्न

कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया (CEMCA), कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग (COL) का क्षेत्रीय केंद्र, वैंकूवर कनाडा में स्थित एक अंतः–सरकारी संगठन ने डॉ. सी.सी. त्रिपाठी, निदेशक, निटर, भोपाल और डॉ. राजेश खंबायत को चुनिंदा विशेषज्ञों के साथ अपने वर्तमान कार्य की समीक्षा करने और व्यावसायिक शिक्षकों को मजबूत करने के अपने कार्यक्रम में आगे की राह प्रस्तावित करने हेतु दिनांक 06 सितंबर 2022 को आमंत्रित किया था। इस बैठक का उद्देश्य तकनीकी व्यावसायिक शिक्षा प्रशिक्षकों की दक्षता संवर्धन की आवश्यकताओं को चिन्हित करना, व्यावसायिक शिक्षा हेतु पाठ्यक्रम का निर्माण, व्यावसायिक शिक्षा हेतु शिक्षण विधियाँ आदि विषयों पर गहन चर्चा की।

निटर, निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी एवं प्रो. आर.पी. खम्बायत ने ''कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया द्वारा व्यावसायिक शिक्षकों और प्रशिक्षकों की क्षमता की जरूरतों को पूरा करना'' विषय पर आयोजित ब्रैनस्टोर्मिंग सत्र में भाग लिया।

एनआईटीटीटीआर भोपाल एवं कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग सेंटर द्वारा संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम पर महत्वपूर्ण बैठक

निटर, भोपाल एवं कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग सेंटर नई दिल्ली संयुक्त रूप से कुछ प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारम्भ करने की दिशा में महत्वपूर्ण बैठक निटर भोपाल में दिनांक 29 सितंबर 2022 को आयोजित की गयी। कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग का क्षेत्रीय केंद्र, वैंकूवर कनाडा में स्थित एक अंतः–सरकारी संगठन है। जो कॉमनवेल्थ देशों के तकनीकी व्यावसायिक शिक्षा प्रशिक्षकों की दक्षता संवर्धन के लिए कार्य करता है। कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग सेंटर नई दिल्ली के प्रोग्राम ऑफिसर श्री सौरभ मिश्रा ने निटर भोपाल की फैकल्टी के साथ बैठक की।

इस बैठक का उद्देश्य उच्च शिक्षा के क्षेत्र में व्यावसायिक शिक्षा पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए पॉलिटेक्निक शिक्षकों को तैयार करने हेतु संयुक्त रूप से एक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने के दिशा में कार्य करना था। संस्थान, निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने इस अवसर पर कहा कि यह एक महत्वपूर्ण पहल है एवं नई शिक्षा नीति के अनुसार भी उच्च शिक्षा के क्षेत्र में भी व्यवसाय युक्त शिक्षा पर पहल की गई है। निटर भोपाल इस दिशा में अपना योगदान दे सकता है। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. आर.पी. खम्बायत ने प्रस्तावित कार्यक्रम के बारे में विस्तृत चर्चा की। इस बैठक में ''व्यावसायिक शिक्षकों और प्रशिक्षकों की क्षमता की आवश्यकतों को पूरा करना'' विषय पर आयोजित ब्रैनस्टोर्मिंग सत्र भी आयोजित हुआ। कार्यक्रम में निटर भोपाल के सभी संकाय सदस्य उपस्थित थे।

आज हिंदी को विश्व की नहीं बल्कि विश्व को हिंदी की जरुरत है: प्रो खेमसिंह डहेरिया

संस्थान में 14–29 सितंबर 2022, तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया। इस वर्ष पखवाड़े की शुरूआत भारत सरकार के गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा अखिल भारतीय स्तर पर सम्मेलन का आयोजन कर सामूहिक रूप में किया गया। इसका शुभारंभ माननीय श्री अमित शाहजी, गृहमंत्री की अध्यक्षता में सूरत में दिनांक 14–15 सितंबर 2022 को किया गया। संस्थान से डॉ. ए. के. जैन, अधिष्ठाता, प्रशासन, श्रीमती शोभा लेखवानी, सदस्य सचिव, राजभाषा कार्यान्वयन समिति एवं श्रीमती रचना गुप्ता सम्मेलन में सम्मिलित हुये। भारत सरकार के प्राप्त निर्देश अनुसार इस सम्मेलन की समाप्ति के बाद संस्थान में हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं। हिंदी दिवस पर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष महोदय डॉ. सी.सी. त्रिपाठी जी का शुभकामना संदेश प्रसारित किया गया।

29 सितंबर 2022 को हिंदी पखवाड़े का समापन हुआ। समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. खेमसिंह डहेरिया कुलपति, अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय थे। इस अवसर पर उन्होंने अपने उद्‌बोधन में कहा कि आज हिंदी को विश्व की नहीं, बल्कि विश्व को हिंदी की जरुरत है। आज उदारीकरण के इस युग में हिंदी विश्व पटल पर अपना सिक्का जमा चुकी है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी हिंदी को संपर्क भाषा के रूप में मान्यता दे दी है एवं नए सर्वे के अनुसार हिंदी विश्व में सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा बन गयी है। इसके पूर्व चीन की भाषा मैंडरिन सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा थी। निटर भोपाल के निदेशक प्रो. सी. सी. त्रिपाठी ने कहा कि ''मातृभाषा का कोई विकल्प हो ही नहीं सकता। हिन्दी हमारे देश का गौरव है। आइये हम सभी हिन्दी के प्रति प्रेम, प्रचार, प्रसार, प्रयोग, प्रभाव, प्रेरणा को और अधिक व्यापक करने का संकल्प लें।''

हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत संस्थान में 8 प्रतियोगिताओं का गरिमामय आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में लगभग 100 प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की। पहली विलोम/पर्यायवाची शब्द लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसके समन्वयक एवं निर्णायक श्री संजय त्रिपाठी थे। ये प्रतियोगिता केवल बहुकुशल परिचारकों के लिये आयोजित की गई थी। निबंध लेखन प्रतियोगिता की समन्वयक एवं निर्णायक, डॉ सरोज रान्नेकर, सेवानिवृत प्राध्यापक, मेनिट, भोपाल थीं। तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता के समन्वयक एवं निर्णायक, प्रो. अशोक शर्मा, साहित्यकार एवं प्राध्यापक, मिलिट्री साइंस, एम व्ही एम कॉलेज, भोपाल थे। इस प्रतियोगिता में उनके द्वारा प्रतिभागियों को ज्वंलत विषयों पर अपने विचार प्रकट रखने का मौका दिया गया ।

त्रुटियां ढूँढे प्रतियोगिता की समन्वयक एवं निर्णायक, डॉ. वंदना सोमकुंवर, श्रीमती शोभा लेखवानी थीं। आशु कविता प्रतियोगिता की समन्वयक एवं निर्णायक श्रीमती वंदना त्रिपाठी, कवियित्री एवं साहित्यकार थीं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को बहुत प्यारा विषय ''मुश्किल हुआ हिंदी का सफर'' पर आशु कविता लिखने के लिये प्रेरित किया और इस विषय पर सुंदर कविताओं का प्रतिभागियों द्वारा सृजन किया गया। पुस्तक समीक्षा प्रतियोगिता की समन्वयक श्रीमती शोभा लेखवानी, निर्णायक श्री कृ ष्णपाल सिंह, कार्यक्रम अधिकारी एवं हिंदी अधिकारी, आकाशवाणी, भोपाल थे। इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों द्वारा विभिन्न पुस्तकों की समीक्षा लिखी गई। नया प्रयोग

करते हुए रिपोर्ट राइटिंग प्रतियोगिता की समन्वयक, शोभा लेखवानी थीं एवं निर्णायक, श्रीमती नीलम पटेरिया पाठक, सेवानिवृत्त परियोजना अधिकारी, महिला एवं बाल विकास थी। इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने श्रीमती नीलम पटेरिया पाठक के द्वारा दिये गये डेढ़ घंटे के विषेष

व्याख्यान पर अपनी रिपोर्ट लिखी।

इन प्रतियोगिता के अलावा संस्थान में सभी विभागों द्वारा हिंदी में किये गये उत्कृष्ट कार्यों के लिए हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी चलित शील्ड प्रदान की गई। इसमें चलित शील्ड का विजेता अनुप्रयुक्त विज्ञान शिक्षा विभाग बना। चल शील्ड को विभागाध्यक्ष डॉ. पी. के. पुरोहित एवं अन्य सदस्यों ने ग्रहण किया। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरण 29 सितंबर 2022 को किया गया एवं इसी दिन प्रश्न मंच का भी आयोजन किया गया। हिन्दी पखवाड़े की संयोजिका डॉ वंदना सोमकुंवर थीं एवं संचालन श्रीमती शोभा लेखवानी ने किया।

कार्यस्थल पर समानता एवं स्वस्थ वातावरण निर्माण में पुरुष साथियों का योगदान महत्वपूर्णः श्रीमती नीलम पटेरिया पाठक

संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वधान में ''महिलाओं का कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न क्या है तथा इसकी रोकथाम एवं निवारण के प्रति कर्मचारियों में जागरूकता पैदा करना'' विषय पर दिनांक 28 सितंबर 2022 को श्रीमती नीलम पटेरिया पाठक, सेवानिवृत परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास

विभाग द्वारा व्याख्यान दिया गया। श्रीमती पाठक ने इस अवसर पर कहा कि कार्यस्थल पर समानता एवं स्वस्थ वातावरण निर्माण में पुरुष साथियों का योगदान भी महवपूर्ण होता है। उन्होंने राजस्थान के भंवरी देवी प्रकरण के उदाहरण द्वारा विषय पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

उन्होंने महिलाओं को कार्यस्थल पर जागरूकता हेतु विशाखा गाइड लाइन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में श्रीमती वंदना त्रिपाठी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थी।

कार्यक्रम को डॉ. राजेश्वरी शिवगुंडे आंतरिक शिकायत समिति की अध्यक्षाा ने भी सम्बोधित किया। इस कार्यक्रम में संस्थान के अधिकारी कर्मचारी संकाय सदस्य उपस्थित थे।

अनुप्रयुक्त विज्ञान शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

गणित को रोचक और समझने योग्य बनाना विषय पर प्रशिक्षण

संस्थान के अनुप्रयुक्त विज्ञान शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 18–22 जुलाई 2022 तक ''गणित को रोचक और समझने योग्य बनाना'' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को गणित विषय को रोचक एवं समझने हेतु विशिष्ट शिक्षण विधियों, विज्ञान एवं इंजीनियरिंग की विभिन्न शाखाओं में गणित का अनुप्रयोग, आइगन वेल्यू एवं आइगन वेर्क्टस के दैनिक जीवन में अनुप्रयोग, गणित शिक्षण हेतु मीडिया का निर्माण, विभेदक समीकरण के दैनिक जीवन में अनुप्रयोग, प्रोजेक्ट मेथड द्वारा गणित को रूचिकर तरीके से पढ़ाना आदि विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक कॉलेजों द्वारा नामित शिक्षकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. दीपक सिंह एवं डॉ. हुसैन जीवाखान ने संकाय सदस्य के रूप में योगदान दिया ।

अनुप्रयुक्त विज्ञान विषय हेतु कम लागत के उपकरणों का निर्माण

संस्थान के अनुप्रयुक्त विज्ञान शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 25–29 जुलाई 2022 तक ''अनुप्रयुक्त विज्ञान विषय हेतु कम लागत के उपकरणों का निर्माण'' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को प्रयोगशाला कार्य के उद्देश्य, उपयोगिता, कम लागत के प्रयोगों के निर्माण, आभासी प्रयोगशाला, ट्रेकर साफ्टवेयर पर प्रशिक्षण के

साथ–साथ संस्थान की उत्कृष्टता केन्द्र का भ्रमण भी कराया गया। काय ़क्रम में गुजरात के इंजीनियरिंग, पॉलिटेक्निक कॉलेजों के नामित प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. पी.के. पुरोहित एवं डॉ. हुसैन जीवाखान ने संकाय सदस्य के रूप में योगदान दिया ।

रिसर्च पेपर राइटिंग एंड प्लेगरिज़्म

संस्थान के अनुप्रयुक्त विज्ञान शिक्षा विभाग द्वारा विस्तार केन्द्र पुणे में दिनांक 1–5 अगस्त 2022 तक ''रिसर्च पेपर राइटिंग एंड प्लेगरिज़्म'' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को शोध पत्र की संरचना, शोध विधियां, प्लेगरिज़्म, इम्पेक्ट फेक्टर, कापी राईट, प्रकाशन प्रक्रिया विधि, शोध समस्या का चयन, अनुसंधान में विभिन्न साफ्टवेयर व इंटरनेट की उपयोगिता, शोध परियोजना का निर्माण, बौद्धिक संपदा अधिकार आदि विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षणार्थियों द्वारा ड्राफ्ट पेपर भी तैयार किए गए। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के इंजीनियरिंग कॉलेज एवं पॉलिटेक्निक कॉलेज के नामित प्रतिभागी सम्मिलित हुऐ। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. पी.के. पुरोहित एवं डॉ. दीपक सिंह ने संकाय सदस्य के रूप में योगदान दिया।

नैनो टेक्नोलॉजी एंड नैनोसेंसर विषय पर प्रशिक्षण

अनुप्रयुक्त विज्ञान शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 28 अगस्त से 02 सितम्बर 2022 तक ''नैनोटेक्नोलॉजी एंड नैनोसेंसर'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न क्षेत्रों में नैनो प्रौद्योगिकी के उपयोग बताए गए, जैसे चिकित्सा क्षेत्र, कृषि क्षेत्र, ऑटोमोबाइल क्षेत्र, कंप्यूटर व मोबाइल क्षेत्र, औद्योगिकीय क्षेत्र, सौंदर्य प्रसाधन के क्षेत्र, रक्षा क्षेत्र में। नैनो संसर तकनीक, ऊर्जा तथा अन्य संसाधनों में सटीक माप करने के लिए भी उपयोगी है। इस विषय पर भी कार्यक्रम में विस्तार से चर्चा हुई एवं सीएनटी,

मैटल पार्टिकल, न्यू सेंसर एवं नैनो बायो सेंसर की विस्तृत जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में गुजरात प्रदेश के इंजीनियरिंग कॉलेज एवं पॉलिटेक्निक कॉलेज के नामित प्रतिभागी सम्मिलित हुये।
इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. हुसैन जीवाखान एवं डॉ. पी.के. पुराहित एवं डॉ. बशीरउल्ला शेख़ ने संकाय सदस्य के रूप में योगदान दिया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर निदेशक महोदय ने अपने व्याख्यान में कहा कि नैनो टेक्नोलॉजी को सामान्य आदमी एवं विद्यार्थियों को भी समझाया जाना चाहिए कि नैनो टेक्नोलॉजी क्या है? यह तकनीक किस तरह से मदद करती है? समस्त प्रशिक्षणार्थियों को आईसर, भोपाल की प्रयोगशाला का भ्रमण कराया गया।

अनुप्रयुक्त विज्ञान में परिणाम आधारित पाठ्यक्रम का कार्यान्वयन

अनुप्रयुक्त विज्ञान शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 5–9 सितंबर 2022 तक अनुप्रयुक्त विज्ञान में परिणाम आधारित पाठ्यक्रम का कार्यान्वयन'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को परिणाम आधारित शिक्षा, परिणाम आधारित पाठ्यक्रम, परिणाम आधारित शिक्षण विधियां, प्रॉब्लम एंड प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग, परिणाम आधारित मूल्यांकन, पाठ्यक्रम के परिणाम की प्राप्ति, परिणाम आधारित प्रयोगशाला प्रयोग, परिणाम आधारित प्रयोगशाला प्रयोगों का मूल्यांकन, वर्चुअल लैब आदि विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. दीपक सिंह एवं संकाय सदस्य के रूप में डॉ. पी.के. पुरोहित ने अपना योगदान दिया।

ऑप्टिमाइजेशन तकनीक और इसके इंजीनियरिंग अनुप्रयोग

अनुप्रयुक्त विज्ञान शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 12–16 सितंबर 2022 तक ''ऑप्टिमाइजेशन तकनीक और इसके इंजीरियरिंग अनुप्रयोग'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को ऑप्टिमाइजेशन तकनीक के इंजीनियरिंग डिज़ाइन, बिजनेस प्लानिंग, कम्प्यूटर साइंस, डाटा माइनिंग, मशीन लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंसी और उद्योगों में अनुप्रयोग के बारे में बताया गया। आज निर्माता अपनी उत्पादन प्रक्रियाओं के डिजाइन में अधिकतम दक्षता चाहते हैं। यातायात योजनाकारों को भीड भाड़ को कम करने के लिए यातायात के स्तर और मार्ग पर निर्णय लेने की आवश्यकता है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य इंजीनियरिंग और उद्योग आधारित समस्याओं में वास्तविक गणितीय अनुकूलन का योगदान देना था। प्रतिभागियों को इन ऑप्टिमाइजेशन तकनीकों से परिचित कराना और उन्हें अपने–अपने क्षेत्रों में तकनीकों को लागू करने में सक्षम बनाने के लिए व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने का प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. दीपक सिंह एवं विशेषज्ञ के रूप में डॉ. राधिका मेनन ने अपना योगदान दिया।

अनुप्रयुक्त विज्ञान प्रयोगशाला में आभासी प्रयोगों का निर्माण

संस्थान के अनुप्रयुक्त विज्ञान शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 19–23 सितंबर, 2022 तक ''अनुप्रयुक्त विज्ञान प्रयोगशाला में आभासी प्रयोगों का निर्माण'' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को विज्ञान शिक्षण की नवाचार विधियों, वर्चुअल लेब का विकास, आभासी प्रयोगशाला के प्रयोगों का निर्माण हेतु साईलेब, वर्चुअल लेब, पीएचईटी सिमुलेशन, एक्सेल व्हीबीए, एक्सकोस विषयों का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. हुसैन जीवाखान थे एवं संकाय सदस्य के रूप में डॉ. बशीरउल्ला शेख़ ने सहयोग प्रदान किया।

विज्ञान शिक्षा हेतु शिक्षण अधिगम विधियां एवं नवाचार

संस्थान के अनुप्रयुक्त विज्ञान शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 26–30 सितंबर, 2022 तक ''विज्ञान शिक्षा हेतु शिक्षण अधिगम विधियां एवं नवाचार'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को विज्ञान शिक्षण की चुनौतियों, विज्ञान शिक्षण का इंजीनियरिंग एवं टेक्नोलॉजी में अनुप्रयोग, विज्ञान शिक्षण की नवाचार विधियों, शिक्षण में डिजिटल मीडिया का उपयोग वर्चुअल लेब का विकास, एडवांस टीचिंग मेथड, कम लागत के उपकरण का निर्माण, डिज़िटल लर्निंग, प्राब्लम बेस्ड लर्निंग, प्रोजेक्ट बेस्ड लार्निंग, सेल्फ डायरेक्टेड लर्निंग आदि विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. बशीरउल्ला शेख़ थे एवं संकाय सदस्य के रूप में डॉ. पी.के. पुरोहित ने योगदान दिया।

परिणाम आधारित शिक्षा प्रणाली पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

तकनीकी शिक्षा संचालनालय बिहार की मांग पर निटर, भोपाल द्वारा ''परिणाम आधारित शिक्षा प्रणाली'' विषय पर 29 अगस्त से 2 सितम्बर 2022 तक 5 दिवसीय कंसल्टेंसी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम हेतु तकनीकी शिक्षा संचालनालय बिहार ने उन 33 प्रशिक्षणार्थियों का चयन किया जो निटर, भोपाल से इंडक्शन फेज़ 1 व 2 का प्रशिक्षण पूर्ण कर चुके थे। कार्यक्रम का उद्देश्य परिणाम आधारित शिक्षा प्रणाली के विभिन्न घटकों से संबंधित सैद्धांतिक ज्ञान व व्यावहारिक उपयोग पर प्रशिक्षण देना था। इस कार्यक्रम में प्रो. आर. के दीक्षित, प्रो. अंजू रौले एवं प्रो. शरद प्रधान ने प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण के दौरान परिणाम आधारित शिक्षा पर लिए गए संवादात्मक सत्रों एवं प्रशिक्षण गतिविधियों को प्रशिक्षणार्थियों ने उत्साह के साथ पूर्ण किया व निटर, भोपाल संकायगणों के प्रयासों को सराहा। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को

परिणाम आधारित पाठ्यक्रम के महत्व व प्रारूप से संबंधित बातों पर प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही, निटर, संकाय ने वर्तमान पाठ्यचर्या (करिकुलम) के विश्लेषण हेतु एक प्रश्नावली तैयार कर प्रतिभागियों से उनके वर्तमान पाठ्यक्रम (सिलेबस) का विश्लेषण भी कराया, जिससे प्रशिक्षणार्थियों को वर्तमान पाठ्यक्रम की कमियों का आभास व परिणाम आधारित पाठ्क्रम की आवश्यकता महसूस हुई।

इस आवश्यकता को देखकर निटर संकाय ने तकनीकी शिक्षा संचालनालय बिहार के सचिव से विश्लेषण साझा किया एवं उन्हें परिणाम आधारित पाठ्यक्रम के महत्व व उपयोगिता के बारे में प्रस्तुति दी साथ ही औद्योगिक क्रांति से संबंधित नए उभरते विषयों को सम्मिलित करने पर भी चर्चा की। चर्चा के उपरांत सचिव, तकनीकी शिक्षा संचालनालय बिहार ने सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग बिहार के साथ बैठक आयोजित की एवं 18 डिप्लोमा इंजीनियरिंग कार्यक्रमत का पाठ्यचर्या (करिकुलम) विकसित करने हेतु निटर, भोपाल को अकादमी सलाकार रखने पर सहमति व्यक्त की। इस हेतु एक वित्तीय प्रस्ताव तैयार कर तकनीक शिक्षा संचालनालय बिहार को प्रेषित कर दिया गया था जिसका अनुमोदन प्राप्त हो गया है। संस्थान शीघ्र ही इस दिशा में कार्य करेगा ।

निटर भोपाल व एल एंड टी एसटीए मुंबई द्वारा मध्य प्रदेश कौशल विकास संचालनालय के अंतर्गत प्रदेश के आईटीआई प्रशिक्षकों को औद्योगिक व शिक्षा शास्त्र आधारित संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम

कार्पोरेट एन्ड इंटरनेशनल रिलेशन्स के अंतर्गत पिछले छह माह में संस्था ने 20 इंडस्ट्रीज के साथ अनुबंध किए हैं जिनमें एल एंड टी मुंबई भी शामिल है। मध्यप्रदेश कौशल विकास संचालनालय के अंतर्गत प्रदेश के करीब 550 आईटीआई प्रशिक्षकों को औद्योगिक व शिक्षा शास्त्र आधारित प्रशिक्षण की आवश्यकता थी। इस अवसर को समझ कर संचालक मध्य प्रदेश के समक्ष एक प्रस्ताव रखा गया जिसमें निटर, भोपाल अपने उद्योग भागीदारों के साथ प्रदेश के आईटीआई प्रशिक्षकों को विभिन्न ट्रेड्स के अनुरूप औद्योगिक कौशल व पेडागोजी प्रशिक्षण प्रदान करेगी। कई बैठकों के उपरांत उद्योग भागीदार चिन्हित करने के पश्चात,

प्रोजेक्ट प्रस्ताव डायरेक्टर एमपी एसडीपी भोपाल के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जिसमें एल एंड टी मुंबई व निटर मिलकर इन प्रशिक्षण कार्यक्रम को क्रियान्वित करना प्रस्तावित था। साथ ही, प्रोजेक्ट डायरेक्टर एमपी एसडीपी श्री हरजिंदर सिंह आईएएस को एल एंड टी मुंबई में उपलब्ध तकनीकी सुविधाओं के निरीक्षण हेतु आमंत्रित किया गया और 7 ट्रेड्स में प्रशिक्षण देने हेतु सहमति प्राप्त हुई। सहमति उपरांत संस्थान के निदेशक ने 1 जुलाई 2022 को मध्य प्रदेश कौशल संचालनालय व एल एंड टी एसटीए मुंबई से अलग–अलग एमओयू हस्ताक्षरित किए। एमओयू के अंतर्गत निटर, भोपाल व एल एंड टी एसटीए मुंबई ने संयुक्त रूप से अभी तक 120 आईटीआई प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षण प्रदान किया है। सभी प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम को सराहा।

सीमेंस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम

इंडस्ट्री 4.0 'एकेडमी – इंडस्ट्री कनेक्ट' सम्मेलन का आयोजन

निटर, भोपाल – सीमेंस सेटर ऑफ एक्सीलेंस और 3डी इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड, पुणे ने 16 सितंबर, 2022 को इंडस्ट्री 4.0 'एकेडमी – इंडस्ट्री कनेक्ट' सम्मेलन का आयोजन नूर उस सबा होटल, भोपाल में किया।

इस सम्मेलन का उद्देश्य स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षाविदों, उद्योगपतियों और शोधकर्ताओं को एक साथ मंच पर लाना था। इस सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. सुनील कुमार गुप्ता, कुलपति, राजीव गांधी प्रोद्यौगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल ने उद्योग 4.0 और समाज पर इसके प्रभाव पर अपने विचार व्यक्त किए। प्रो. के.के. जैन, अध्यक्ष, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, निटर, भोपाल ने सम्मेलन में उपस्थित सभी प्रतिनिधियों का स्वागत

करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ. सी.सी. त्रिपाठी द्वारा प्रेषित शुभकामना संदेश में कहा कि तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में नित नई चुनौतियों एवं उसके समाधान में निटर अपनी भूमिका का निर्वहन कर रहा है। उन्होंने भविष्य की चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला।

प्रो. के.के. जैन ने वर्तमान उत्पादन उद्योगों में डिजिटलाइजेशन के क्रांतिकारी प्रभाव के बारे में छात्रों को उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप तैयार कर रोजगार योग्य बनाने पर जोर दिया। उन्होंने इस सेंटर में डिजिटल प्रतिभा और अगली पीढ़ी के लिए मानव संसाधन को विकसित करने के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। इस अवसर पर संस्थान के मीडिया विभाग द्वारा निर्मित वीडियो फिल्म "निटर, भोपाल – 2022 क्षमताएं एवं उपलब्धियां" को प्रदर्शित किया, जिसमें सीमेंस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस प्रयोगशालाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। डॉ. शरद कुमार प्रधान, डीन (कॉरपोरेट एण्ड इंटरनेशनल रिलेशन्स) ने समारोह में सीमेंस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराते हुए सभी प्रशिक्षणार्थियों को इस सेंटर के माध्यम से बहुराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय कंपनियों में बेहतर भविष्य एवं रोजगार के अवसर पर प्रकाश डाला। सीमेंस इंडिया कंपनी के श्री गोपाला नायडू, अकादमिक प्रमुख ने कंपनी की विभिन्न योजनाओं के बारे में चर्चा की।

3डी इंजीनियरिंग के श्री अजय देशकर, प्रबंध निदेशक ने अपने उद्बोधन में उद्योग 4.0 की महत्ता के बारे में विभिन्न विनिर्माण उद्योगों और अन्य संबंधित क्षेत्रों में डिजिटल ट्रांजिशन कैसे स्वचलित समाधान प्रदान करेगा, सूचना प्रणाली एकत्र करने, स्थानांतरित करने, स्टोर करने, विश्लेषण करने और उचित निगरानी करने के लिये विभिन्न विनिर्माण और डिजिटल सूचना प्रोद्यौगिकी आदि के बारे में चर्चा की। डॉ. राजीव अग्रवाल, सी.एम.डी., अनन्या पैकेज प्रा. लि., भोपाल ने उद्योगों और

शिक्षाविदों के बीच भारी अंतर की चुनौतियों का समाधान किये जाने पर बल दिया। उन्होंने अपने उदबोधन में इस अंतर को कम करने हेतु नवीनतम औद्योगिक तकनीकों और अभ्यासों को इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में समायोजित करने की आवश्यकता बताई एवं कहा कि यदि छात्र स्वप्रेरित होंगे तो गुणवत्ता स्वतः आएगी।

टेक्नोलोजी मैनेजर श्री अमित सिंह, क्रॉम्टन ग्रीव्ह्स पावर, मंडीदीप ने सीमेंस एनेक्स डिजाइन, पी.एल.एम सॉफ्टवेयर के फीचर्स को हाइलाइट करते हुए इन सॉफ्टवेयर की इंजीनियरिंग उपयोगिता को डिजाइन उदाहरणों के द्वारा प्रस्तुत किया, जिसको सभी प्रतिभागियों ने सराहा। इस सेमिनार में संस्थान के संकाय सदस्य डॉ. ए.के. सराठे, डॉ. वंदना सोमकुँवर, प्रो. सुसन एस. मेथ्यु, डॉ. ए.एस. वाल्के, डॉ. निशीथ दुबे, डॉ. एस.एस. केदार एवं प्रो. ए.ए. खजांची का भी प्रमुख योगदान रहा। इस अवसर पर संस्थान के समस्त संकायगण, सी.ओ.ई प्रयोगशाला समन्वयक, अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में श्री ऋषिकेश, 3डी इंजीनियरिंग ने सभी गणमान्य व्यक्तियों का आभार व्यक्त किया।

कर्मचारी विकास पर कार्यक्रम

निटर–सीमेंस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस द्वारा दो कर्मचारी विकास कार्यशालाओं का सीमेंस सर्टिफाइड ट्रेनर द्वारा सफल आयोजन किया गया। इन कार्यशालाओं का प्रमुख उद्देश्य भविष्य में तकनीकी स्टाफ की आवश्यकताओं एवं इंडस्ट्री डिजिटलाइजेशन के अनुरूप नवीन कौशल को विकसित करना था। प्रथम कार्यशाला का आयोजन 1 से 5 अगस्त, 2022 तक सीमेंस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, भोपाल में किया गया। इसमें सात कार्यरत तकनीकी स्टाफ द्वारा प्रोडक्ट डिजाइन एण्ड वेलीडेशन लेब, सिमुलेशन एण्ड टेस्टिंग लेब, प्रोसेस इंस्ट्रूमेंटेशन सी.ओ.ई लेब में ट्रेनिंग दी गई।

द्वितीय कार्यशाला का आयोजन 22 से 26 अगस्त, 2022 तक सीमेंस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, भोपाल में किया गया। इसमें सात कार्यरत तकनीकी स्टाफ द्वारा एडीटिव मेन्युफेक्चरिंग लेब, मेन्युफेक्चरिंग प्रोसेस डिजीटाइजेशन लेब, इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन सी.ओ.ई लेब में ट्रेनिंग दी गई।

सभी तकनीकी स्टाफ ने सीमेंस सर्टिफाइड ट्रेनर द्वारा दी गई ट्रेनिंग की सराहना करते हुए भविष्य में उन्हें संबंधित सी.ओ.ई लेब के सॉफ्टवेयर पर अभ्यास करने हेतु समय दिये जाने का अनुरोध किया। कार्यशाला के समापन अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. सी.सी. त्रिपाठी जी ने प्रतिभागियों से ट्रेनिंग संबंधी विस्तृत जानकारी ली। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. के.के. जैन ने निदेशक महोदय को इस तरह की कार्यशाला आयोजित किए जाने हेतु सहायता प्रदान करने हेतु धन्यवाद दिया।

उद्योगों के डिजिटलीकरण पर औद्योगिक प्रशिक्षण

निटर, भोपाल – सीमेंस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सी.ओ.ई) के अंतर्गत एक सप्ताह का ''उद्योगों के डिजिटलीकरण पर औद्योगिक प्रशिक्षण'' विषय दिनांक 5 से 9 सितंबर, 2022 तक आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 6 तकनीकी शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. के.के. जैन द्वारा इंडस्ट्री में विनिर्माण प्रगति पर रोशनी डालते हुए प्रतिभागियों को उद्योगों में विभिन्न नई तकनीक और प्रवृत्तियों से भी परिचय कराया गया। इस इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग प्रोग्राम में योजक विनिर्माण के क्षेत्र में सीमेंस द्वारा नवीनतम मशीनरी और सॉफ्टवेयर जैसे कि 3डी स्केनिंग एण्ड प्रिंटर, रोबोटिक्स, आई.ओ.टी., स्ट्रक्चरल एनालिसिस एवं डिजाइन सॉफ्टवेयर पर प्रेक्टिस इंडस्ट्री इंजीनियर्स के सुपरविजन में कराई गई। प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम की सराहना की और कार्यक्रम समन्वयक डॉ. के.के. जैन एवं संकाय सदस्यों डॉ. ए.के. सराठे एवं डॉ. ए.एस. वाल्के को धन्यवाद दिया। साथ ही निवेदन किया कि भविष्य में ऐसे कई उद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम टीचर्स एवं पॉलिटेक्निक छात्रों के लिए भी आयोजित कर छात्रों में तकनीकी रूप से इंडस्ट्री के अनुसार कौशलपूर्ण इंजीनियर्स तैयार किए जाएं।

इंजीनियरिंग छात्रों के लिए इंडस्ट्री विजिट का आयोजन

भोपाल में स्थित विभिन्न इंजीनियरिंग कालेजों के छात्रों को इंडस्ट्री 4.0 और डिजिटाइजेशन टेक्निक्स एवं प्रेक्टिसेस से अवगत कराने हेतु निटर, भोपाल में स्थापित सीमेंस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में जुलाई महीने से इंडस्ट्रियल विजिट का आयोजन किया जा रहा है। विगत दो–तीन माह से संस्थान में आयोजित होने वाले केलेंडर ट्रेनिंग प्रोग्राम के प्रशिक्षणार्थियों को सीमेंस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में उपलब्ध नई टेक्नोलॉजी से अवगत कराया जा रहा है। आज दिनांक तक 200 से ज्यादा प्रशिक्षणार्थियों ने भ्रमण कर जानकारी प्राप्त की। साथ ही भोपाल के 15 तकनीकी कालेजों के 900 से अधिक छात्रों एवं 100 से अधिक इंजीनियरिंग कॉलेजों के प्राध्यापकों ने सीमेंस सेंटर का भ्रमण किया एवं साथ ही उद्योगों में प्रयोग होने वाली विभिन्न नई तकनीक जानकारी प्राप्त की। इंडस्ट्री विजिट के दौरान छात्रों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया और साथ ही विभिन्न इंडस्ट्री बेस्ड स्किल पाठ्यक्रमों की जानकारी भी दी गई। इन पाठ्यक्रमों में रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया से भी अवगत कराया गया।

इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक छात्रों के लिए उद्योग आधारित कौशल पर प्रशिक्षण

निटर–सीमेन्स सी.ओ.ई. के अंतर्गत अगस्त–सितंबर, 2022 में समस्त इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक कॉलेज के छात्रों के लिये प्रायोजित प्रशिक्षण के लिये पंजीयन किया गया। इस

कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में संस्थान के निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने छात्रों को कौशल विकास के लिये प्रोत्साहित किया। प्रो. के.के. जैन, अध्यक्ष, उत्कृष्टता केन्द्र ने एक सफल इंजीनियर के रूप में छात्रों को सकारात्मक सोच के साथ जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी और भविष्य की संभावनाओं के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी

दी। निटर–सीमेन्स सी.ओ.ई. उद्योग आधारित कौशल पर प्रशिक्षण का उद्देश्य छात्रों को तकनीकी रूप से उद्योगों के अनुसार सक्षम इंजीनियर बनाना, जिससे उन्हें बेहतर रोजगार मिल सकें। निटर–सीमेन्स सी.ओ.ई. के तहत तकनीकी प्राध्यापकों द्वारा इंजीनियरिंग छात्रों को सर्टिफिकेट कोर्स इन एडवांस्ड इंडस्ट्रियल प्रोसेस, सर्टिफिकेट कोर्स इन रोबोटिक कंट्रोलर एण्ड सिमुलेशन, सर्टिफिकेट कोर्स इन सी.ए.ई फॉर ऑटोमोटिव, सर्टिफिकेट कोर्स इन सी.एन.सी. कंट्रोल प्रोसेस जैसे विषयों में 4 सप्ताह की ट्रेनिंग दी जा रही है। उपरोक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम में लगभग 215 छात्र एवं छात्राएं प्रशिक्षण ले रहे हैं जो कि भोपाल में स्थित उत्कृष्ट इंजीनियरिंग कॉलेजों में अध्ययनरत हैं। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अक्टूबर माह तक आयोजित किये जायेंगे।

निटर, भोपाल में स्थापित सीमेंस सेंटर में परामर्श कार्य

सीमेंस सेंटर में निटर के संकाय सदस्यों एवं 3डी इंजीनियरिंग के कार्यरत इंजीनियरों द्वारा उद्योग आधारित परामर्श कार्य भी किया जा रहा है। इसके अंतर्गत अगस्त–सितंबर माह में 3डी प्रिंटर के द्वारा प्रोटोटाइप ऑटोमोबाइल पार्ट्स का निर्माण किया गया। डॉ. के.के. जैन, चेयरमेन, सी.ओ.ई. ने बताया कि भविष्य में भी इस तरह के उद्योग आधारित परामर्श कार्य सेंटर द्वारा किये जाते रहेंगे।

मेकेनिकल अभियांत्रिकी शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

मेकेनिकल इंजीनियरिंग में लैब प्रयोगों का आकलन

संस्थान के मेकेनिकल अभियांत्रिकी शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 4–8 जुलाई, 2022 तक ''मैकेनिकल इंजीनियरिंग में लैब प्रयोगों का आंकलन'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 20 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. शरद कुमार प्रधान थे एवं संकाय सदस्य के रुप में डॉ वंदना सोमकुँवर ने सहयोग प्रदान दिया।

रूब्रिक का उपयोग करके विद्यार्थियों के सीखने का आकलन

मेकेनिकल अभियांत्रिकी शिक्षा विभाग के अंतर्गत 22 से 26 अगस्त, 2022 तक रूब्रिक का उपयोग करके विद्यार्थियों के सीखने का आंकलन'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 13 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. शरद कुमार प्रधान थे। कार्यक्रम में संकाय सदस्य के रुप में डॉ के.के जैन ने सहयोग प्रदान दिया।

प्रयोगशाला तकनीक में दक्षता संबर्धन

मेकेनिकल अभियांत्रिकी शिक्षा विभाग के अंतर्गत गवर्मेंट कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, नागपुर में 22 से 26 अगस्त, 2022 तक ''प्रयोगशाला तकनीक में दक्षता संवर्धन'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 21 संकायगणों को प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. वंदना सोमकुँवर थीं एवं संकाय सदस्य के रुप में प्रो. सुसन ए स. मेथ्यु ने सहयोग प्रदान किया। इस प्रशिक्षण के अलावा कॉलेज के प्रधानाचार्य के अनुरोध पर उनके संस्थान के तकनीकी कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए आधे दिन की कार्यशाला का आयोजन संस्थान द्वारा किया गया। इस कार्यशाला का आयोजन प्रो. सुसन एस. मेथ्यु के मार्गदर्शन में किया गया। इस कार्यशाला में कुल 25 प्रयोगशाला कर्मचारी शामिल हुए और वे इस कार्यशाला से बहुत संतुष्ट हुए। प्राचार्य ने अपने संकाय सदस्यों और प्रयोगशाला कर्मचारियों के लिए और अधिक कार्यक्रमों के लिए अनुरोध किया है।

परिणाम आधारित पाठ्यचर्या का प्रयोगशाला मैनुअल विकास

मेकेनिकल अभियांत्रिकी शिक्षा विभाग के अंतर्गत 12 से 16 सितंबर, 2022 तक ''परिणाम आधारित पाठ्यचर्या का प्रयोगशाला मैनुअल विकास'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 26 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. शरद कुमार प्रधान थे एवं संकाय सदस्य के रुप में डॉ ए.के. सराठे ने योगदान दिया।

आई.आर. 4.0 एण्ड डिजीटल मेनुफेक्चरिंग

मेकेनिकल अभियांत्रिकी शिक्षा विभाग के अंतर्गत 12 से 16 सितंबर, 2022 तक ''आई.आर. 4.0 एण्ड डिजीटल मेनुफेक्चरिंग'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम सत्र में मेनुफेक्चरिंग सेक्टर में आने वाली चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की गई और प्रतिभागियों ने समूह कार्य के द्वारा इन चुनौतियों से निपटने हेतु मीट करने के लिए नई टेक्नोलॉजी का मेप किया।

इस कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को एडिटिव मेनुफेक्चरिंग, इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन, डिजिटल ट्विन, आई.ओ.टी., आदि पर एक्सपर्ट द्वारा व्याख्यान कराए गए। प्रतिभागियों के अनुरोध पर इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में ड्रोन टेक्नोलॉजी से भी प्रतिभागियों को अवगत कराया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 11 प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. के.के. जैन थे एवं संकाय सदस्य के रूप में डॉ. वंदना सोमकुंवर ने सहयोग प्रदान किया।

सी.पी.एस.सी, मनीला द्वारा आयोजित ''सी.पी.एस.सी. टोयोटा मोटर फिलीपींस फेज–2 क्लोबोरेटिव रीजनल प्रोग्राम'' में दिनांक 8 से 12 अगस्त, 2022 को लगुना, फिलीपिंस में डॉ. शरद कुमार प्रधान ने प्रतिभागिता की।

विश्वकर्मा जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

विश्वकर्मा जयंती के उपलक्ष्य में निदेशक महोदय द्वारा 17 सितंबर, 2022 को वर्क सेन्टर में देवों के शिल्पकार कहे जाने वाले भगवान श्री विश्वकर्माजी की पूजा अर्चना एवं महाआरती की गई। इस शुभ अवसर पर मैकेनिकल अभियांत्रिकी शिक्षा विभाग के संकायगण डॉ. ए.के. सराठे, डॉ. के.के. जैन, डॉ. शरद कुमार प्रधान, डॉ. वंदना सोमकुॅवर, एवं विभाग के सभी सदस्य व कार्य केन्द्र के कर्मचारीगण श्री कुणाल वासनिक, श्री संजय डोंगरे, श्री शिववचन शर्मा, श्री धर्मराज गणेशे, श्री महेन्द्र सिंह राजपूत एवं श्री रविन्द्र यादव द्वारा भी पूजा अर्चना की गई। इस उपलक्ष्य में विशेष रूप से निदेशक महोदय का परिवार, संस्थान के अन्य विभाग के संकायगण, अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण द्वारा भी पूजा अर्चना की गई। साथ ही निटर–सीमेंस सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सी.ओ.ई) एवं विभाग की समस्त प्रयोगशाला में मशीनी उपकरणों की भी पूजा की गई। कार्यक्रम के अंत में निदेशक महोदय ने उत्कृष्टता केन्द्र की प्रयोगशालाओं के रखरखाव एवं व्यवस्थाओं की प्रशंसा की। विभागाध्यक्ष डॉ. ए.के. सराठे ने निदेशक महोदय का आभार व्यक्त किया।

डॉ. संजय अग्रवाल, आईईएम मॉरीशस के सलाहकार नियुक्त

भारत सरकार ने एनबीए के माध्यम से डॉ. संजय अग्रवाल, प्राध्यापक एनआईटीटीटीआर, भोपाल को वाशिंगटन समझौते की अस्थायी हस्ताक्षरता स्थिति प्राप्त करने के लिए इंजीनियरों का संस्थान (आईईएम) मॉरीशस के सलाकार के रूप में नियुक्ति किया गया।

इस दल द्वारा कई ऑनलाइन बैठकों के माध्यम से इंजीनियरिंग कार्यक्रमों की मान्यता के लिए आवश्यक संरचना और प्रक्रियाओं को स्थापित करने में महत्वपूर्ण सुझाव दिये गये। इस दल ने 27 जून और 1 जुलाई को इंजीनियरिंग शिक्षा प्रदान करने वाले तीन विश्वविद्यालयों का भ्रमण किया गया। इन यात्राओं को विज्ञान और प्रौद्यौगिकी मंत्रालय के माध्यम से मॉरीशस सरकार, द्वारा प्रायोजित किया गया। डॉ. संजय अग्रवाल, ने इंजीनियरिंग शिक्षकों और मूल्यांकनकर्ताओं को परिणाम आधारित शिक्षा पर प्रशिक्षण प्रदान किया।

सिविल अभियांत्रिकी शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

इंटर्नशिप कार्यक्रम का विवरण

सिविल एवं पर्यावरण अभियांत्रिकी शिक्षा विभाग द्वारा दिनॉक 19 सितंबर 2022 से (4–6 सप्ताह) तक इंजीनियरिंग कॉलेज के आठ विद्यार्थियों का लघु अवधि की इंटर्नशिप का कार्यक्रम प्रारंभ किया गया। इसके अंतर्गत निर्माण गुणवत्ता, हरित भवन निर्माण दो विषयों पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

इस प्रशिक्षण के द्वारा विद्यार्थियों को निर्माण में गुणवत्ता एवं हरित भवन निर्माण की जानकारी दी जायेगी। यह प्रशिक्षण प्रातः 10 बजे से 5 बजे तक दिया जा रहा है। डॉ. सुब्रत रॉय विभागाध्यक्ष, डाॅ. ए.के.जैन, प्राध्यापक एवं डॉ. व्ही.डी. पाटिल, प्रो. एम.सी. पालीवाल द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है एवं संस्थान परिसर में हो रहे निर्माण कार्यों पर भी उनको प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

विश्वकर्मा जयंती पर आयोजित कार्यक्रम का विवरण

सिविल एवं पर्यावरण अभियांत्रिकी शिक्षा विभाग में विश्वकर्मा जयंती पर दिनांक 17 सितंबर 2022 को एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में माननीय निदेशक महोदय डॉ सी.सी. त्रिपाठी और डॉ. सुब्रत रॉय विभागाध्यक्ष एवं डॉ. व्ही. डी. पाटिल, प्रो. एम. सी. पालीवाल, प्रो. आर. के. दीक्षित एवं विभाग के अधिकारीगण एवं कर्मचारी गण द्वारा पूजा अर्चना की गई। भगवान विश्वकर्मा से संस्थान की निरंतर प्रगति हेतु प्रार्थना की गई।

कम्प्यूटर अभियांत्रिकी शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

जावा एवं माय एसक्यूएल सीएसईई का उपयोग करके पूर्ण स्टेक वेब विकास'' पर प्रशिक्षण

संस्थान के कम्प्युटर विज्ञान अभियांत्रिकी एवं शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 04–08 जुलाई 2022 तक ''जावा एवं माय एसक्यूएल सीएसईई का उपयोग करके पूर्ण स्टेक वेब विकास'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में इंडियन आर्मी के 03 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. प्रकाश हरदाह थे।

ऑनलाइन संसाधनों का उपयोग करके स्व–शिक्षा पर प्रशिक्षण

संस्थान के कम्प्युटर विज्ञान अभियांत्रिकी एवं शिक्षा विभाग द्वारा विस्तार केन्द्र गोवा में दिनांक 04–08 जुलाई 2022 तक ''ऑनलाइन संसाधनों का उपयोग करके स्व–शिक्षा'' विषय पर ऑनलाईन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक संस्थानों के 48 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. ऐलन संजय रोचा थे एवं संकाय सदस्य के रूप में प्रो. संजय अग्रवाल ने योगदान दिया।

इंडक्शन प्रोग्राम फेज–2

संस्थान के कम्प्युटर विज्ञान अभियांत्रिकी एवं शिक्षा विभाग द्वारा विस्तार केन्द्र अहमदाबाद में दिनांक 18–29 जुलाई 2022 तक ''इंडक्शन प्रोग्राम फेज–2'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक संस्थानों के 24 प्रशिक्षणार्थियों

ने भाग लिया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. संजय अग्रवाल थे एवं संकाय सदस्य के रूप में डॉ. जे.पी. टेगर, डॉ. दीपक सिंह एवं प्रो. सुसन मेथ्यू ने योगदान दिया।

परिणाम आधारित शिक्षा पर प्रशिक्षण

संस्थान के कम्प्युटर विज्ञान अभियांत्रिकी एवं शिक्षा विभाग द्वारा इंदौर में मेडीकेप्स यूनिवर्सिटी में दिनांक 18–29 जुलाई 2022 तक ''इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑन आउटकम बेस्ड एजुकेशन'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 30 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. आर.के. कपूर एवं डॉ. बी.एल. गुप्ता थे एवं संकाय सदस्य के रूप में प्रो. अंजू रौले, डॉ. जेम्स के. मथाई, डॉ. संजय अग्रवाल, डॉ. शरद प्रधान ने योगदान दिया।

परिणाम आधारित शिक्षा और प्रत्यायन पर कार्यक्रम

संस्थान के कम्प्युटर विज्ञान अभियांत्रिकी एवं शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 22–26 अगस्त 2022 तक ''परिणाम आधारित शिक्षा और प्रत्यायन'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक संस्थानों के 27 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. संजय अग्रवाल थे एवं संकाय सदस्य के रूप में डॉ. एम.ए. रिज़वी, डॉ. आर.के. कपूर ने योगदान दिया।

वेब आधारित पाठ्यक्रम विकास पर कार्यक्रम

संस्थान के मीडिया अनुसंधान एवं विकास शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 12–16 सितंबर 2022 तक ''वेब आधारित पाठ्यक्रम विकास'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक संस्थानों के 19 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. जेम्स के मथाई थे एवं संकाय सदस्य के रूप में डॉ. एम.ए. रिज़वी ने योगदान दिया।

इंडक्शन प्रोग्राम फेज–2

संस्थान के सिविल एंड पय िवरण अभियांत्रिकी शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 12–23 सितंबर 2022 तक ''इंडक्शन प्रोग्राम फेज–2'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक संस्थानों के

12 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. संजय अग्रवाल, डॉ. जे.पी. टेगर, डॉ. रोली प्रधान थे एवं संकाय सदस्य के रूप में डॉ. आर.के. दीक्षित, प्रो. चंचल मेहरा ने योगदान दिया।

पाइथन प्रोग्रामिंग पर कार्यशाला

संस्थान के कम्प्युटर विज्ञान अभियांत्रिकी एवं शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 19–23 सितंबर 2022 तक ''पाइथन प्रोग्रामिंग'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक संस्थानों के 39 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. आर. के. कपूर थे एवं संकाय सदस्य के रूप में डॉ. एम.ए. रिज़्वी ने योगदान दिया।

परियोजना आधारित इंटर्नशिप पर कार्यशाला

संस्थान के कम्प्युटर विज्ञान अभियांत्रिकी एवं शिक्षा विभाग द्वारा बीई/बी टेक विद्यार्थियों के लिए ''परियोजना आधारित इंटर्नशिप'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत की गई। इसके लिए संस्थान द्वारा ऑनलाइन पोर्टल के द्वारा आवेदन आमंत्रित किये गए थे। इंटर्नशिप कार्यक्रम हेतु वर्तमान में विषय फुल स्टैक वेब डेवलपमेंट यूसिंग पीएचपी/माई एसक्यूएल एवं टीओटी पर प्रशिक्षण दिये जा रहे हैं।

मीडिया अनुसंधान एवं विकास शिक्षा विभाग

मीडिया विभाग में उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश शासन हेतु हिंदी में वीडियो रिकार्ड किये जा रहे हैं। विभाग द्वारा हिन्दी में सात व्याख्यान रिकार्ड हुए जो समाज शास्त्र, रसायन शास्त्र, भौतिकी, एवं भूगर्भ शास्त्र से सम्बंधित हैं। अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज (मिलेट्स) वर्ष मनाते हुए संस्थान में विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया।

इसमें मिलेट्स का महत्व, उनकी खेती, उनकी पोषण क्षमता पर चर्चा, विषय विशेषज्ञ वैज्ञानिकों द्वारा भोपाल द्वारा की गई। आजादी का अमृत महोत्सव मनाते हुए संस्थान में प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। मीडिया विभाग में 2–डी एनीमेशन के विकास का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 21 प्रतिभागियों ने पाठ्यक्रम आधारित 2डी एनीमेशन बनाये। कार्यक्रम

की बहुत सराहना की गई। 29 जुलाई से 12 सितम्बर 2022 के दौरान "एजुकेशनल मीडिया" मूक कोर्स (4256 प्रशिक्षणार्थी), "एडवांस्ड इंस्ट्रकशनल मेथड्स" मूक कोर्स (6404 प्रशिक्षणार्थी) तथा "आईसीटी इन टीचिंग एंड लर्निंग" मूक कोर्स (6279 प्रशिक्षणार्थी) का स्वयम् प्लेटफार्म पर विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा समन्वयन किया गया।

विभाग द्वारा आज़ादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत संस्थान में आयोजित विविध कार्यक्रमों में फोटोग्राफी, विडियोग्राफी, सोशल मीडिया संबन्धित कार्यों को संपन्न किया गया।संस्थान में उत्कृष्टता केन्द्र के अंतर्गत निर्मित 11 प्रयोगशालाओं पर आधारित ए क फिल्म का निर्माण विभाग द्वारा किया गया। इस फिल्म में समन्वयकों द्वारा प्रयोगशाला के बारे में विस्तृत जानकारी दी। संस्थान के विगत कार्यों पर आधारित फिल्म "एनआईटीटीटीआर भोपाल 2के22 ''क्षमताऐं एवं उपलब्धियां" का निर्माण किया गया।

प्रबंधन शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

संगठन प्रभावशीलता पर कार्यक्रम

संस्थान के प्रबंधन शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 11 से 15 जुलाई 2022 तक ''संगठन प्रभावशीलता'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में गवर्नमेंट इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक की विभिन्न संस्थाओं से 12 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का संचालन, प्रस्तुतिकरण, समूह चर्चा, अनुभवों का आदान प्रदान, केस विधि एवं स्वयं मूल्यांकन पद्धतियों का उपयोग कर किया गया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. आशीष देशपांडे थे एवं संकाय सदस्य के रूप में डॉ. पराग दुबे ने योगदान दिया।

परिवर्तन एवं नवाचार का प्रबंधन पर कार्यक्रम

संस्थान के प्रबंधन शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 18–22 जुलाई 2022 तक ''परिवर्तन एवं नवाचार का प्रबंधन'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में शासकीय इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक के विभिन्न संस्थाओं से 20 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का संचालन, प्रस्तुतिकरण, समूह चर्चा, अनुभवों का आदान प्रदान, केस विधि एवं स्वयं मूल्यांकन पद्धतियों का उपयोग कर किया गया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. बी. एल. गुप्ता थे एवं संकाय सदस्य के रूप में डॉ. रोली प्रधान ने योगदान दिया।

सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन एवं सिक्स सिग्मा पर कार्यक्रम

संस्थान के प्रबंधन शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 25–29 जुलाई 2022 तक ''संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन एवं सिक्स सिग्मा'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में गवर्नमेंट इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक की विभिन्न संस्थाओं से 21 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का संचालन, प्रस्तुतिकरण, समूह चर्चा, अनुभवों का आदान प्रदान, केस विधि एवं स्वयं मूल्यांकन पद्धतियों का उपयोग कर किया गया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. आर.बी. शिवगुंडे थे एवं संकाय सदस्य के रूप में डॉ. रोली प्रधान ने योगदान दिया।

संस्था का प्रशासन और प्रबंधन पर कार्यक्रम

संस्थान के प्रबंधन शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 29 जुलाई से 02 सितंबर 2022 तक ''संस्था का प्रशासन और प्रबंधन'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में गवर्नमेंट इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक की विभिन्न संस्थाओं से 30 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का संचालन, प्रस्तुतिकरण, समूह चर्चा, अनुभवों का आदान प्रदान, केस विधि एवं स्वयं मूल्यांकन पद्धतियों का उपयोग कर किया गया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. आर.बी. शिवगुंडे थे एवं संकाय सदस्य के रूप में डॉ. आशीष देशपांडे ने योगदान दिया।

प्रदर्शन, मूल्यांकन और विकास पर कार्यक्रम

संस्थान के प्रबंधन शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 29 जुलाई से 02 सितंबर 2022 तक ''प्रदर्शन, मूल्यांकन और विकास'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में गवर्नमेंट इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक की विभिन्न संस्थाओं से 30 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का संचालन, प्रस्तुतिकरण, समूह चर्चा, अनुभवों का आदान प्रदान, केस विधि एवं स्वयं मूल्यांकन पद्धतियों का उपयोग कर किया गया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. बी.एल. गुप्ता थे एवं संकाय सदस्य के रूप में डॉ. रोली प्रधान ने योगदान दिया।

अनुसंधान क्रियाविधि पर कार्यक्रम

संस्थान के प्रबंधन शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 12–16 सितंबर 2022 तक ''अनुसंधान क्रियाविधि'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में गवर्नमेंट इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक की विभिन्न संस्थाओं से 27 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का संचालन, प्रस्तुतिकरण, समूह चर्चा, अनुभवों का आदान प्रदान, केस विधि एवं स्वयं मूल्यांकन पद्धतियों का उपयोग कर

किया गया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. आर.के. दीक्षित थे एवं संकाय सदस्य के रूप में डॉ. रोली प्रधान ने योगदान दिया।

प्रो. बी.एल. गुप्ता द्वारा शोध पत्र प्रस्तुत

प्रो. बी.एल. गुप्ता ने दिनांक 01 जुलाई 2022 को आईसर, भोपाल द्वारा आयोजित कान्फ्रेंस में ''स्ट्रेटजिक रिक्रुटमेंट एंड सिलेक्शन ऑफ फैकल्टी मेंबर्स इन हायर एज्यूकेशन इंस्टीट्यूशन इन द कान्टेक्सट ऑफ एनईपी 2020'' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

प्रो. बी.एल. गुप्ता ने सेन्ट्रल इन्स्टीट्यूट ऑफ हायर तिब्बतियन स्टडिज सारनाथ द्वारा दिनांक 30–31 जुलाई 2022 को आयोजित ''नेशनल एजूकेशन पॉलिसी 2020'' की कान्फ्रेन्स में ''एसेसमेंट ऑफ प्रोजेक्ट एंड रिसर्च बेस्ड लर्निंग इन द कांटेक्ट ऑफ एनईपी–2020'' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

तकनीकी व्यावसायिक शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

तनाव प्रबंधन पर कार्यशाला

संस्थान के तकनीकी व्यावसायिक शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग द्वारा दिनांक 17 अगस्त 2022 को ''तनाव प्रबंधन'' विषय पर एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य हिन्दी के प्रचार–प्रसार करने के साथ प्रतिभागियों को कार्यस्थल, सामाजिक एवं परिवारिक जीवन में तनाव प्रबंधन पर प्रशिक्षण दिया जाना भी था। एक दिवसीय कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. निशिथ दुबे ने प्रतिभागियों को तनाव रहित रहने के लिए कुछ योगासन की क्रियाएं कराईं। इसमें प्रत्योक्षकरण एवं विश्राति, शिथिलीकरण, हास्यआसान से तनाव मुक्त होना शामिल है। इसके साथ ही कक्षा में विभिन्न गतिविधियों एवं प्रश्नावलियों के माध्यम से तनाव प्रबंधन पर प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम में भारतीय खेल प्राधिकरण, राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड,

स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्कीटेक्चर एवं निटर संस्थान के कुल 16 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. निशिथ दुबे थे।

प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण

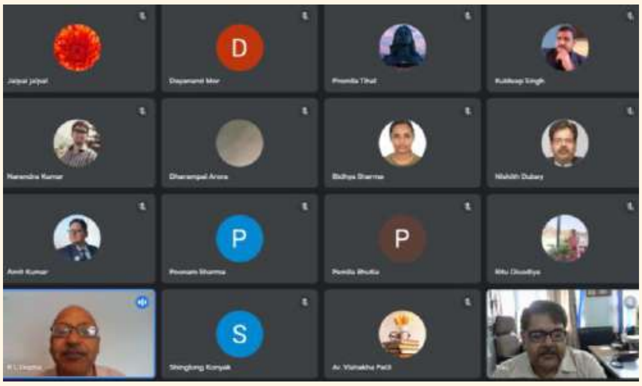

संस्थान के तकनीकी व्यावसायिक शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग द्वारा दिनांक 12–16 सितंबर 2022 को ''प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण'' विषय पर कार्यक्रम ऑनलाईन माध्यम से आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विशिष्ट प्रशिक्षकों की विशेषताओं की पहचान करना, लघु समूह प्रशिक्षण सत्र आयोजित करना, एक प्रभावी प्रशिक्षण कार्यक्रम को स्पष्ट करना, प्रतिभागियों एवं उनकी प्रशिक्षण आवश्यकताओं पर विचार का महत्व आदि जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान करना था। इस कार्यक्रम में कुल 28 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. निशिथ दुबे एवं डॉ. बी.एल. गुप्ता ने संकाय सदस्य के रूप में अपना योगदान दिया।

ऑगमेंटेड/वर्चुअल रियलिटि पर कार्यशाला

संस्थान के तकनीकी व्यावसायिक शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग द्वारा दिनांक 26–27 सितंबर 2022 को दो दिवसीय कार्यक्रम में टेक एक्सआर कंपनी से आए विशेषज्ञ श्री उदित कुर्लम, श्रीमती श्रीनिधि और श्री अभिलाष मिश्रा ने ''ऑगमेंटेड/वर्चुअल रियलिटि'' पर प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य संस्थान के संकायगणों एवं तकनीकी

कर्मचारियों को इस आधुनिक तकनीक से अवगत करवाना था। कार्यक्रम के पहले दिन एआर/वीआर पर विस्तार से परिचय दिया गया एवं हार्डवेयर के अनुप्रयोगों पर जानाकरी दी गई। श्री उदित मिश्रा द्वारा मेटावर्स और एआर/वीआर तकनीक के विभिन्न तथ्यों को दर्शाया। प्रशिक्षण के दूसरे दिन विभिन्न अभ्यासों द्वारा रोचक तरीके से तकनीक को प्रदर्शित किया एवं एआर/वीआर के विभिन्न साफ्टवेयर्स की जानकारी दी। कार्यक्रम में कुल 52 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. अंजना तिवारी थीं एवं संचालन डॉ. सुब्रत राय, अधिष्ठाता अकादमिक एवं अनुंधान द्वारा किया गया।

टेक एक्स आर का भ्रमण

संस्थान के तकनीकी व्यावसायिक शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग संकाय सदस्य डॉ. निशिथ दुबे एवं डॉ. अंजना तिवारी द्वारा दिनांक 30 अगस्त 2022 को टेक एक्सआर उद्योग का भ्रमण किया गया। इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य उद्योग एवं संस्थान के संबंधों को बढ़ावा देना, लर्निंग रिसोर्सेज डेवलपमेंट, स्टूडेंट्स इंगेजमेंट, डायमेंशन इफ़ेक्ट, इंटरेक्शन लर्निंग, इन्वॉल्वमेंट जिसके लिए ''ऑगमेंटेड/वर्चुअल रियलिटि'' की उपयोगिता को परखना है। इसके अलावा टेक एक्सआर प्राइवेट लिमिटेड एक स्टार्टअप है जो ऑगमेंटेड/वर्चुअल रियलिटि सीखने और सामग्री निर्माण क्षेत्र में हार्डवेयर व सॉफ्टवेयर पर हल प्रदान करने पर काम कर रहे हैं। इस कंपनी के नवाचार उत्पादन एवं योगदान के लिए भारत सरकार द्वारा अखिल भारतीय शीर्ष 12 नवाचारों को सम्मानित किया गया है।

भ्रमण के दौरान संकाय सदस्यों ने उद्योग के टेक एक्सआर स्टार्टअप के इन्क्यूबेशन सेंटर का दौरा किया और विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। टेक एक्सआर कंपनी द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित किए जाते हैं, जो कि तकनीकी शिक्षकों, तकनीकी छात्रों, शोध छात्रों के लिए बहुत ही लाभदायक है।

संचालक तकनीकी शिक्षा गुजरात के साथ परिचर्चा

संस्थान के निदेशक डॉ. सी.सी. त्रिपाठी एवं डॉ. निशिथ दुबे, विभागाध्यक्ष तकनीकी व्यावसायिक शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग, समन्वयक विस्तार केन्द्र अहमदाबाद एवं सहा–प्राध्यापक डॉ. अंजना तिवारी द्वारा दिनांक 29 सितंबर 2022 को परिचर्चा में आपसी सहयोग एवं नवाचार पर विचार विमर्श हुआ।

विस्तार केन्द्र अहमदाबाद में ट्रेनिंग होस्टल के नवीनीकरण की जानकारी भी दी गई। सर्वसुविधायुक्त, वातानुकूलित कमरे, टेलीविजन के साथ ट्रेनिंग होस्टल तैयार है। प्रशिक्षण हाल

को भी नए ए.सी. एवं स्क्रीन से सुसज्जित किया गया है। विस्तार केन्द्र में अधिक संख्या में प्रतिभागी प्रायोजित करने का आग्रह किया गया। प्रतिभागियों को यात्रा में असुविधा से बचने के लिए ट्रेनिंग आदेश कम से कम 3 हफ्ते पहले जारी करने का आग्रह किया गया। प्राचार्यो की कंसल्टेटिव नीड के आयोजन के बारे में चर्चा की गई।

निदेशक महोदय ने डीटीई, गुजरात की कार्य कुशलता और सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। संचालक डीटीई, गुजरात द्वारा प्रतिभागियों से प्रशिक्षण गेस्ट हाउस व भोजन की प्रतिक्रिया ली गई।

उपरोक्त सभी बिन्दुओं पर प्रतिभागियों ने संतुष्टि व्यक्त की। श्री जी.टी. पांड्या ने निदेशक महोदय श्री सी.सी. त्रिपाठी जी को प्रशिक्षण कार्यक्रम सफल रूप से आयोजित करने के लिए आभार प्रकट किया। चर्चा के अंत में निदेशक महोदय को डीटीई मुख्यालय गांधीनगर में भविष्य की योजनाओं पर परिचर्चा करने के लिए आमंत्रित किया।

गोवा विस्तार केन्द्र द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम
उद्योग संस्थान इंटरेक्शन एंड प्लेसमेंट

उद्योग संस्थान इंटरेक्शन एंड प्लेसमेंट’ विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम विस्तार केन्द्र गोवा में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. ऐलन संजय रोचा थे एवं संकाय सदस्य के रूप में डॉ. आर.पी. खम्बायत ने योगदान दिया।

इस कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रो. दिलीप वसंत बेतकेकर, राष्ट्रीय सचिव विद्या भारतीय एवं सदस्य गोवा प्लानिंग कमीशन ने अपना योगदान दिया। इस कार्यक्रम में उच्च ख्याति के तीन उद्योग विशेषज्ञों की एक ऑनलाईन पैनल चर्चा भी की गई। इनमें ब्लेसी कोसतावीर, सेड्रिक वज एवं डॉ. प्रवीण खुल्लर शामिल थे।

जैव ईंधन आईसी इंजनों के लिए एक स्वच्छ हरित वैकल्पिक ईंधन पर प्रशिक्षण

संस्थान के विस्तार केन्द्र गोवा में दिनांक 12–16 सितंबर 2022 तक ''जैव ईंधन आईसी इंजनों के लिए एक स्वच्छ हरित वैकल्पिक ईंधन'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. ऐलन संजय रोचा थे। विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. फ्रैड्री डायस, डॉ. जगन्नाथ हिरकुडे एवं डॉ. रंजीत एस. पाटिल आदि ने व्याख्यान दिया।

इलेक्ट्रिक और हाईब्रिड वाहन पर प्रशिक्षण

संस्थान के विस्तार केन्द्र गोवा में दिनांक 20–22 सितंबर 2022 तक ''इलेक्ट्रिक और हाईब्रिड वाहन'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. ऐलन संजय रोचा थे। कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञों ने भी अपना योगदान दिया। प्रशिक्षणार्थियों को मारूति सुजुकी (साई सर्विस स्टेशन लिमिटेड) एल्कॉन हुंडई में भ्रमण कराया गया। समापन समारोह में संचालक तकनीकी शिक्षा डॉ. विवेक कामत ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण–पत्र वितरित किये।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं एआईसीटीई 360 डिग्री फीडबैक पर प्रशिक्षण

संस्थान के विस्तार केन्द्र गोवा में दिनांक 01–03 अगस्त 2022 तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं एआईसीटीई 360 डिग्री फीडबैक विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. ऐलन संजय रोचा थे।

कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञों के रूप में डॉ. आर.के. दीक्षित एवं प्रो. आर. बी. शिवगुण्डे ने अपना योगदान दिया।

संस्थान में स्वच्छता पखवाडा के अवसर पर प्रतियोगिताओं का आयोजन

निटर, भोपाल में दिनांक 20 सितंबर 2022 को स्वच्छता पखवाड़ा के अवसर पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसका विषय था "स्वच्छता अभियान का मेरे जीवन पर प्रभाव" समन्वयक प्रो. अस्मिता खजांची थीं।

साथ ही जल संरक्षण एवं वन संरक्षण पर स्लोगन एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। इसके समन्वयक श्री इजहार अहमद एवं श्री संजय त्रिपाठी थे।

इन प्रतियोगिताओं में संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया। निदेशक प्रो. सी. सी. त्रिपाठी ने स्वच्छता पखवाड़ा के अवसर पर अपने सन्देश में कहा कि ''स्वच्छता की शुरुआत अपने घर से होनी चाहिए। जब खुद से शुरुआत करेंगे, तो वो ज्यादा प्रभावी होगा।'' उन्होंने कहा कि हर काम के लिए सरकार पर निर्भर रहना जरुरी नहीं है। व्यक्ति की मानसिकता पर ही निर्भर करता है कि वह कैसे रहना चाहता है। माहौल से भी सोच में बदलाव आता है।

क्योंकि देखा गया है कि घर के माहौल से ही बच्चे की सोच उभरती है। वही आदत उसके अंदर होगी। उन्होंने कहा कि स्वयं स्वच्छ रहने के बाद ही दूसरे को स्वच्छ रहने की सलाह दी जा सकती है।

शिक्षकों के लिए प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण पर कार्यक्रम

अनुप्रयुक्त विज्ञान शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 22–26 अगस्त 2022 तक ''शिक्षकों के लिए प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण'' विषय पर ऑनलाईन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को एन्ड्रोगोजी, पेडागोजी, टीएनए, एलएफए के द्वारा प्रोजेक्ट डिजाइन, प्रॉब्लम सॉल्विंग टेक्निक एवं लर्निंग रिसोर्स, डिजाइन एंड डेव्लेपमेंट पर व्याख्यान दिया। इस कार्यक्रम में मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, दमन एवं दियू प्रदेश के हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूट के नामित प्रतिभागी सम्मिलित हुए। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. हुसैन जीवाखान थे एवं संकाय सदस्य के रूप में डॉ. निशीथ दुबे ने योगदान दिया।

पाठ्यक्रम विकास व मूल्यांकन शिक्षा विभाग

पाठयचर्या सुधार और कौशल विकास

संस्थान के पाठ्यक्रम विकास व मूल्यांकन शिक्षा विभाग द्वारा दिनांक 27 जून से 01 जुलाई 2022 तक ''पाठ्यचर्या सुधार और कौशल विकास' विषय पर 'योगदा सत्संग महाविद्यालय' रांची में ऑनलाइन आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में 'योगोदा सत्संग महाविद्यालय' रांची के विभिन्न विभागों के (इंग्लिश, हिस्ट्री, लॉ, फार्मेसी, कंप्यूटर साइंस आदि) 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में एन.ई.पी. 2020 के सन्दर्भ में बताए गए। पाठ्यक्रम व मूल्यांकन रिफार्म के बारे में चर्चा की गई। एन.ई.पी.2020 में स्किल्स डेवलपमेंट विषय पर किये गए फोकस को भी विभिन्न रूपों में बताया गया। इस कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. अंजू रौले थीं एवं संकाय सदस्य के रूप में डॉ. वंदना सोमकुंवर ने योगदान दिया।

इंडक्शन प्रोग्राम फेज –1

संस्थान के पाठ्यक्रम विकास व मूल्यांकन शिक्षा विभाग द्वारा 'इंडक्शन प्रोग्राम फेज–1 का अयोजित किया गया। यह कार्यक्रम 1 से 12 अगस्त, 2022 तक एन. आई. टी. टी. टी. आर. भोपाल में आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में नागालैंड राज्य 12 व 02 महाराष्ट्र राज्य के प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. अंजू रौले थीं एवं संकाय सदस्य के रूप में डॉ. सुब्रत रॉय, डॉ. के. जे. मथाई एवं डॉ. पराग दुबे ने योगदान किया।

सर्वोत्तम शिक्षा परिणाम के लिए प्रयोगशाला डिजाइन पर कार्यक्रम

संस्थान के पाठ्यक्रम विकास व मूल्यांकन शिक्षा विभाग द्वारा ''सर्वोत्तम शिक्षा परिणाम के लिए प्रयोगशाला डिजाइन'' विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम 26 से 30 सितम्बर, 2022 तक संचालित किया गया। इस कार्यक्रम में 08 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की समन्वयक प्रो. अंजू रौले थी एवं संकाय सदस्य के रूप में प्रो. जे. पी. टेगर ने योगदान दिया।

इंडक्शन प्रोग्राम फेज–2

संस्थान के पाठ्यक्रम विकास व मूल्यांकन शिक्षा विभाग के द्वारा गुजरात राज्य के शिक्षकों के लिए दिनांक 22 अगस्त से 02 सितंबर 2022 तक इंडक्शन प्रोग्राम फेज–II कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें कार्यक्रम में इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक कॉलेज के 15 प्रशिणार्थियों ने भाग लिया।

सभी प्रशिक्षणार्थियों ने निर्धारत असाइनमेंट कार्य एवं अचीवमेंट टेस्ट में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. जे.पी. टेगर थे एवं संकाय सदस्य के रूप में डॉ. बशीरउल्ल शेख़, प्रो. संजीत कुमार, प्रो. एम.सी. पॉलीवाल ने अपना योगदान दिया।

इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

इंटरनेट ऑफ थिंग्स पर कार्यक्रम

संस्थान के इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा ''इंटरनेट ऑफ थिंग्स'' विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 11–15 जुलाई 2022 आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 15 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को इंटरनेट ऑफ थिंग्स व उसके उपयोग के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में भारतीय सेना से 04 प्रतिभागियों ने भी प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान सीमेंस सीईओ लेब में भी प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. अंजली पोतनीस थीं एवं संकाय सदस्य के रूप में डॉ. एम.ए. रिज़वी ने सहयोग प्रदान किया।

मल्टीसिम का उपयोग करके डिजिटल सर्किट डिजाइनिंग पर कार्यक्रम

संस्थान के इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा ''मल्टीसिम का उपयोग करके डिजिटल सर्किट डिजाइनिंग'' विषय पर दिनांक 12–16 सितम्बर 2022 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 10 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने मल्टीसिम सॉफ्टवेयर को उपयोग करना सीखा व इस सॉफ्टवेयर की मदद से डिजिटल सर्किट का निर्माण कर परीक्षण व अनुकरण किया। कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. अंजली पोतनीस थीं एवं संकाय सदस्य के रूप में प्रो. संजीव कुमार ने सहयोग प्रदान किया।

परिणाम आधारित पाठ्यचर्या के लिए प्रयोगशाला नियमावली का विकास पर कार्यक्रम

संस्थान के इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा ''परिणाम आधारित पाठ्यचर्या के लिए प्रयोगशाला नियमावली का विकास'' विषय पर दिनांक 01–05 अगस्त 2022 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को प्रयोगशाला निर्देश, परिणाम आधारित शिक्षा और पाठ्यचर्या का अवलोकन, पीओ/पीएसओ, सीओ और प्रयोगशाला के माध्यम से सीखने के परिणाम, प्रयोगशाला प्रयोगों के अभिनव डिजाइन, सीओ के साथ अभिनव प्रयोगशाला आधारित प्रयोगों/अभ्यासों से संबंधित, प्रयोगशाला में छात्र प्रदर्शन का आकलन, प्रयोगशालाओं में सूक्ष्म परियोजनाएं समस्या समाधान कौशल, मूल्यांकन उपकरण, रूब्रिक विकास या वर्चुअल लैब विकसित करने के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम की समन्वयक प्रो. सूसन एस. मैथ्यू थीं एवं संकाय सदस्य के रूप में डॉ. ए. एस. वाल्के ने सहयोग प्रदान किया।

सेंसर्स के साथ आर्डिनो पर कार्यक्रम

संस्थान के इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा ''सेंसर्स साथ आर्डिनो'' विषय पर दिनांक 04–08 जुलाई 2022 को प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 12 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को सेंसर टेक्नोलॉजी, टाइप ऑफ सेंसर्स, इंटरफेसिंग ऑफ सेंसर्स विथ आर्डिनो वोर्ड के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. संजीत कुमार थें एवं संकाय सदस्य के रूप में डॉ. हुसैन जीवाखान ने सहयोग प्रदान किया।

कंचन यादव को पीएच.डी उपाधि पर बधाई एवं शुभकामनाएं

एनआईटीटीटीआर, भोपाल के श्री चन्द्रप्रकाश यादव की सुपुत्री कु. कंचन यादव को आई आई टी, वाराणसी (हिन्दु विश्वविद्यालय, वाराणसी) से भौतिक शास्त्र में पीएच.डी उपाधि प्राप्त हुई है। कंचन यादव ने अपनी पीएच.डी. ''**सेल्फ** एसेम्बल्ड नेनो स्ट्रॅक्चर ऑफ बायोमोलीक्यूल फॉर सेन्सिंग, यू व्ही प्रोटेक्शन बायो–इंमेजिंग एण्ड ड्रग डिलेवरी'' विषय पर अपना शोध कार्य किया। इसके पूर्व कु. कंचन यादव ने आई आई एस ई आर, भोपाल से बीएस एमएस की उपाधि भौतिक शास्त्र में प्राप्त की थी। भारत सरकार द्वारा कई अवार्ड/फैलोशिप प्राप्त कु. कंचन यादव के कई शोध पत्र राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं एवं कई शोध संगोष्ठियों में भी भाग लिया है। संस्थान परिवार की ओर से कु. कंचन यादव को हार्दिक बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं।

// मुश्किल हुआ हिंदी का सफर //

कैसी है ये वर्तमान की धुंधली डगर
मुश्किल हुआ हिंदी का सफर
अंग्रेजी ने छलनी किया जिगर
हिंगलिश में सब कर रहे गिटर पिटर।
मुश्किल हुआ हिंदी का सफर ।।
भारत की भारतीयता थी हिंदी
भारत की आत्मीयता थी हिंदी
कण से लेकर ब्रह्माण्ड थी हिंदी
अंग्रेजी की लगी नजर ।
मुश्किल हुआ हिंदी का सफर ।।
कवियों कलाकारों कथाकारों की हिंदी
जन जन से लेकर गणमान्यों की हिंदी
सिसक रही, है आखिरी पहर ।
मुश्किल हुआ हिंदी का सफर ।।
वर्तमान के कोलाहल से सहम बैठी है कहीं दुबक कर
उठो जागो प्रयास करो हो जाएँगे बाद से बदतर ।
मुश्किल हुआ हिंदी का सफर।।

श्री रीतेंद्र कुमार पवार
प्रथम स्थान, आशु कविता प्रतियोगिता

// मुश्किल हुआ हिंदी का सफर //

सरल सलोनी भाषा हिंदी
ममता की परिभाषा हिंदी
जिसने सर देश को जोड़ा
वो मजबूत सा धागा हिंदी
सीधी सादी इस हिंदी पर ना जाने क्यों टूटा कहर?
सिसक रही है छुपी कहीं पर, मुश्किल हुआ हिंदी का सफर ।।
भारत की आशा थी हिंदी
जन जन की भाषा थी हिंदी
दादा समझे दादी समझे, दूर गाँव की काकी समझे
सीधी सादी इस हिंदी पर ना जाने क्यों गिरा जहर?
सिसक रही है छुपी कहीं पर, मुश्किल हुआ हिंदी का सफर ।।
हिंदी को बनवास हुआ, और अंग्रेजी को राज
हिंदुस्तान की गौरवगाथा हिंदी
एकता की अनुपम परिभाषा हिंदी
सीधी सादी इस हिंदी को ना जाने क्यों लगी नजर?
सिसक रही है छुपी कहीं पर, मुश्किल हुआ हिंदी का सफर ।।
हिंदी सुर कबीर है हिंदी है रसखान
हिंदी देश का गौरव है वही है स्वाभिमान
सीधी सादी इस हिंदी का चलता हुआ ठहरा क्यों पहर?
सिसक रही है छुपी कहीं पर, मुश्किल हुआ हिंदी का सफर ।।
आज समय है जाग जाओ तुम, हिंदी को यूँ ना भुलाओ तुम
मत पिता गुरु से सीखी
इस हिंदी का मान बाधाओं तुम
हिदी को यूँ ना भुलाओ तुम, हिदी को यूँ ना भुलाओ तुम ।।

श्रीमती गुंजन शर्मा
द्वितीय स्थान, आशु कविता प्रतियोगिता

// मुश्किल हुआ हिंदी का सफर //

जैसे मानो हमारे बुजुर्गों का सफर। कहती है आज की युवा पीढ़ी, क्या रखा है तुम्हारी हिंदी में
मत चलना मां तुम मेरे स्कुल में, वहां तुम बात करोगी हिंदी में, हमारी होगी अन्य बच्चों के सामने बेईज्जती।
मैंने समझाया हमारी मातृभाषा है हिंदी, मुझे लगा सचमुच, मुश्किल हुआ हिंदी का सफर
जैसे है आजकल घर में एक बूढी मां का बोझ, दुनिया भी समझ रही है हिंदी को बोझ, हिंदी है हमारे देश की शान
ये भाषा ही है हमारे बचपन की जान, सौंधी सी खुशबू मीठी सी मिठास, आओ आप और हम बनें अपनी भाषा ए हमसफर
वर्तमान में मुश्किल हुआ हिंदी का सफर ।।

श्रीमती नीतू अग्रवाल
तृतीय स्थान, आशु कविता प्रतियोगिता

संस्थान में आयोजित गतिविधियां

National Institute of Technical Teachers' Training and Research, Bhopal

स्वतंत्रता दिवस की

पुरस्कार वितरण समारोह

NITTTR Bhopal Welcomes
ALL THE
PARTICIPANTS

विदाई समारोह

GLOBAL SKILLS PARK

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल
National Institute of Technical Teachers' Training and Research, Bhopal

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल
National Institute of Technical Teachers' Training and Research, Bhopal

संस्थान में आयोजित गतिविधियों का समाचार पत्रों में प्रकाशन

व्याख्यान माला आयोजित

भोपाल • एनआईटीटीटीआर भोपाल के निदेशक प्रो. सीसी त्रिपाठी द्वारा 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अवसर पर व्याख्यान माला की शुरुआत की गई। इसी तारतम्य के द्वितीय व्याख्यान माला में सीआईऐईभोपाल की साइंटिस्ट श्रीमती देबबंद्या महापात्र ने 'मिलेट्स-हेल्थ बेनेफिट्स एंड यूजेस' पर अपना महत्वपूर्ण व्याख्यान दिया। श्रीमती देबबंद्या ने अपने व्याख्यान के अंतर्गत कहा कि मिलेट्स कभी हमारे ही खान -पान का हिस्सा हुआ करते थे। लेकिन समय के साथ ये हमारी थालियों से गायब होते चले गए। लेकिन अब एक बार फिर से मिलेट्स को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री की पहल पर यूएन ने 2023 को इंटरनेशनल ईयर ऑफ मिलेट्स घोषित किया है।

मिलेट्स के न्यूट्रिशन से भरपूर खज़ाने को अपने भोजन में अपनाकर हम गंभीर बीमारियों से बच सकते हैं : श्रीमती देबबंद्या महापात्र

भोपाल। एनआईटीटीटीआर भोपाल के निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी द्वारा आजादी काअमृत महोत्सव के अवसर पर व्याख्यान माला की शुरूआत की गयी है, इसी तारतम्य के द्वितीय व्याख्यान माला में सीआईऐई भोपाल की साईटिस्ट श्रीमती देवबंद्या महापात्र ने मिलेट्स- हेल्थ बेनेफिट्स एंड यूजेस पर अपना महत्वपूर्ण व्याख्यान दिया। श्रीमती देवबंद्या ने अपने व्याख्यान के अंतर्गत कहा कि मिलेट्स कभी हमारे ही खान-पान का हिस्सा हुआ करते थे, लेकिन समय के साथ ये हमारी थालियों से गायब होते चले गए, लेकिन अब एक बार फिर से मिलेट्स को बढ़ावा देने के लिए पीएम मोदी की पहल पर यूएन ने 2023 को इंटरनेशनल ईयर ऑफ मिलेट्स घोषित किया है उन्होंने बताया कि दुनिया ने कोविड के दौरान सेहत के लिहाज से मोटे अनाजों के महत्व को समझा है, इसलिए किसानों के लिए इसे उगाना अधिक फायदेमंद समझा जा रहा है। यह अनाज कम पानी और कम उपजाऊ भूमि में भी उग जाता है और दाम भी गेहूं से अधिक प्राप्त होता है यानि अब समय आ गया है कि मिलेट्स के इस खजाने को फिर से भरा जाए। ताकि जिस भोजन को हमने छोड़ दिया था या भुला दिया था उसे हमें फिर से अपनाना होगा। मिलेट्स में जौ, ज्वार, बाजरा, रागी, मक्का, कोदों, कुटकी, कंगनी जैसे अनेक अनाजों को हमें फिर से अपनी जिंदगी में खान-पान का हिस्सा बनाना होगा। व्याख्यान के शुरूआत में प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने अमृत महोत्सव में भाग लेने के लिए सभी को शपथ भी दिलवाई। इस व्याख्यान में संस्थान के निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी, तथा निटर के संकाय सदस्य, अधिकारी, कर्मचारीगण उपस्थित थे।

मोटे अनाज को अपने आहार में शामिल करके हम सशक्त एवं स्वस्थ भारत का निर्माण कर सकते है : डॉ. भंडारी

भोपाल (कासं)।

एनआईटीटीटीआर के निदेशक प्रो. सीसी त्रिपाठी द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर व्याख्यान माला की शुरुआत की गयी है।

इसी श्रृंखला में तृतीय व्याख्यान माला में वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ और राष्ट्रीय मिलेट्स टास्क फोर्स के सदस्य डॉ. राज भंडारी ने न्यूट्रिशन सिक्योरिटी विथ मिलेट्स पर एक व्याख्यान दिया। इस व्याख्यान में डॉ.भंडारी ने मिलेट्स के न्यूट्रिशन से संबंधित विभिन्न तथ्यों को वैज्ञानिक शोध के आधार पर प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि मोटे अनाज को अपने आहार में शामिल करके हम सशक्त भारत का निर्माण कर सकते है।

भारतीय किसान यदि मोटे अनाज की खेती में शामिल करें तो पर्यावरण भी सुरक्षित और संरक्षित रहेगा। निटर के निदेशक प्रो. सी.सी.त्रिपाठी ने रोचक उदाहरणों के माध्यम से बताया की हमारे पूर्वज किस तरह अपने खानपान एवं रहन सहन से स्वस्थ रहा करते थे। भारतीय परंपरागत ज्ञान को तथ्यों के साथ सामने लाकर नई पीढ़ी को जागरूक करना होगा। हमारा इंडियन ट्रेडिशनल नॉलेज हर क्षेत्र में समृद्ध एवं वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित रहा है इसे पुनर्स्थापित किया जाना आज समय की मांग है। वर्तमान परिवेश में भारतीय परंपरागत खान-पान हमें स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याओं से निजात दिला सकता है। इस कार्यक्रम का आयोजन एसपीए, भोपाल एवं निटर, भोपाल ने संयुक्त रूप से किया। निटर एवं एसपीए, भोपाल ने अपनी मेस में मिलेट्स के उपयोग को शामिल करना प्रारम्भ कर दिया है। इस व्याख्यान में एसपीए, भोपाल एवं निटर, भोपाल के संकाय सदस्य, अधिकारी, कर्मचारीगण एवं विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

We can build a strong and healthy India by including Millets in our diet: Dr. Raj Bhandari

The Cliff News • Bhopal

Director NITTTR Bhopal rof. C.C. Tripathi has started he lecture series on the occa- ion of Aazadi Ka Amrut Mahotsav. In the third lecture eries, Dr. Raj Bhandari, Senior Pediatrician and member of National Millets Task Force, delivered a lecture on 'Nutrition Security with Miletus".In this lecture, Dr. Bhandari presented various facts related to nutrition of Millets on the basis of global scientific research. He said that by including millets in our diet, we can build a strong and healthy India. If Indian farmers include millets in farming, then the environment will also be safe and protected. Director NITTTR Prof. C.C. Tripathi told through interesting examples how our ancestors used to stay healthy with their food and living habits. The new generation will have to be made aware by bringing strong Indian traditional knowledge with the help of facts. Our strong traditional Indian knowledge has been based on scientific facts in every field, it is the need of the hour to restore it. In the present context, Indian traditional food can relieve us from many health related problems. This program was jointly organized by SPA, and NITTTR Bhopal. NITTTR & SPA, Bhopal has started incorporating the use of Miletus in their mess. Faculty members, officers, staff and students of SPA, Bhopal and NITTTR Bhopal were present in this lecture.

'Adopt nutritional goodness of millets in our daily diet to avoid serious diseases: Mohapatra

■ Staff Reporter

DIRECTOR NITTTR Bhopal ProfCCTripathihas started the lecture series on the occasion of Aazadi Ka Amrit Mahotsav. In the line of second lecture series, Scientist Debabandya Mohapatra from Central Institute of Agriculture Engineering Bhopal, delivered lecture on the topic 'Millets-Health benefits and uses'.

Debabandya emphasised in her lecture that millets had been an integral part of our diet in the past, but have lost their presence in our plates with time, but now once again on the initiative of Prime Minister Narendra Modi to promote millets, UN has declared 2023 as 'International Year of Millets'.

Scientist Debabandya Mohapatra giving lecture at NITTTR Bhopal while other guests look on.

She said that the world has understood the importance of millets in terms of health during Covid, hence it would be more beneficial for our farmers to grow it. This grain requires less water and can grow on the less fertile land also. It has gained the status of legacy crop so is priced higher than wheat. Now the time has come to replenish the treasure of Millets, so that this long-forgotten food may be adopted again to boost our health. Millets comprise of a wide variety of grains like barley, *jowar, bajra, ragi*, maize, *kodon, kutki*, corn. The benefits of these grains are enormous.

At the beginning of the lecture, Prof C C Tripathi also administered oath to everyone to participate in the Amrit Mahotsav. In this lecture series, the Director of the Institute, Prof. C.C. Tripathi, were present with faculty members, officers and staff of NITTTR.

एनआईटीटीटीआर कैंपस में तिरंगा रैली

भोपाल (कासं)।

आज़ादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर एनआईटीटीटीआर (निटर) भोपाल कैंपस में तिरंगा रैली निकाली गयी।

इस रैली में निटर के निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी सहित संस्थान परिवार के सदस्यों एवं बच्चों ने उत्साह के साथ सहभागिता की। इस अवसर पर प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने संकाय सदस्यों, अधिकारियों, कर्मचारियों व उनके परिवारों को आज़ादी की 75वीं वर्षगांठ पर हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने एवं इसमे भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान राष्ट्रप्रेम का एक अनूठा यज्ञ है, तिरंगे को गर्व और गौरव से फहराएं। विश्व के हर देश के लिए अपने देश का राष्ट्रध्वज बहुत ही महत्वपूर्ण और सम्माननीय होता है। देश का झंडा अपने देश की आन बान और शान का प्रतीक माना जाता है। यही कारण है भारत के लोग भी अपने देश के तिरंगे का बहुत सम्मान और आदर करते हैं। प्रो. त्रिपाठी ने निटर परिवार से अपने-अपने घरों में तिरंगा फहराने तथा मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रोफाइल फोटो में तिरंगा लगाने का आग्रह किया।

विज्ञान का उद्देश्य कभी भी जीवन के उद्देश्य से अलग नहीं हो सकता : प्रो. पी.बी. शर्मा

उच्च शिक्षा एवं शोध हेतु गुणवत्तापूर्ण शिक्षकों का निर्माण करना आज भारत में शिक्षा के क्षेत्र में सामने आ रही चुनौतियों में से एक है: प्रो. पी.बी. शर्मा

द क्लिफ न्यूज ■ भोपाल

एनआईटीटीटीआर भोपाल के निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी द्वारा आज़ादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर व्याख्यान माला की शुरुआत की है, जिसके प्रथम ऑनलाइन व्याख्यान माला में भारत के जाने-माने शिक्षाविद् एवं एमिटी विश्वविद्यालय गुरुग्राम के कुलपति प्रो.(डॉ.) पी.बी. शर्मा (संस्थापक कुलपति आरजीपीवी भोपाल एवं डीटीयू नई दिल्ली) का फ्रप्रेपेयरिंग टीचर्स फॉर हायर एजुकेशन इन द न्यू ऐज ऑफ नॉलेज एंड सस्टेनेबिलिटीफ्र पर अपना महत्वपूर्ण व्याख्यान दिया 7 व्याख्यान के अंतर्गत प्रो. पी.बी. शर्मा ने कहा कि भारत का उच्च शिक्षा तंत्र अमेरिका, चीन के बाद विश्व का तीसरा सबसे बड़ा उच्च शिक्षा तंत्र है

। विगत 70 वर्षों में देश के विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विद्यार्थियों और शिक्षकों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है । सभी को उच्च शिक्षा के समान अवसर सुलभ कराने की नीति के अंतर्गत उच्च शिक्षा में पुनर्संरचना की आवश्यकता है तथा बेहतर गुणवत्ता वाले शिक्षकों को इस तरह से तैयार करना चाहिए कि वे उच्च शिक्षा को कौशल/ व्यवसायिक प्रशिक्षण और इंडस्ट्री इंटरफेस के साथ एकीकृत कर सके । इस तरह से तैयार किये गये शिक्षकों द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षण कौशल छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप ज्ञान, कौशल और क्षमता प्रदान करेगा तथा यह छात्रों को वैश्विक नागरिक के रूप मे अपनी प्रासंगिता बढाने वाले वैश्विक दृष्टिकोण को विकसित करने में भी सहायक होगा । अपने व्याख्यान में प्रो. शर्मा द्वारा स्मार्ट फ्यूचर टेक्नोलॉजी, साइबर एज, इन्फो नेनो बायो तथा ग्लोबल वार्मिंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी अपने विचार प्रस्तुत किये । इस व्याख्यान में संस्थान के निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी, तथा निटर एवं स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर के संकाय सदस्य, अधिकारी, कर्मचारीगण उपस्थित थे।

02 Bhopal Saturday 13 August 2022 THE CLIFF

Tiranga Rally held at NITTTR Campus

The Cliff News ■ Bhopal

Under the banner of Azadi Ka Amrit Mahotsav, a grand rally was held in the NITTTR Campus. NITTTR Director Prof. C.C. Tripathi, along with the faculty and staff members and their families participated in the event. The Director NITTTR appreciated Modiji's idea behind Har Ghar Tiranga activities is to invoke the feeling of patriotism in the hearts of People and to promote awareness about Indian National Flag. He said series of activities like rallies, debates, quiz, painting competitions and cultural programmes are organised throughout NITTTR to promote the campaign. He said organising such events adds more enthusiasm among the public and respect for Tiranga. Prof. Tripathi, urged all the faculty & staff members along with their families should vow to participate in all the activities under the banner of Har Ghar Tiranga. He urged all the members to cooperate and coordinate in order to make the Har Ghar Tiranga Initiative a grand success. He requested all members to hoist the Tricolour with pride in their houses and also to post these photos on social media.

युवा पीढ़ी समृद्ध भारतीय वैज्ञानिक परम्परा को पहचाने एवं उस पर गर्व करे : प्रो. त्रिपाठी

भोपाल एनआईटीटीटीआर भोपाल में देश के प्रमुख प्राचीन भारतीय वैज्ञानिकों एवं गणितज्ञों का संक्षिप्त जीवन परिचय को तस्वीरों के साथ संकलन किया जायेगा। निदेशक प्रो. सी. सी. त्रिपाठी ने बताया की पाश्चात्य वैज्ञानिकों के बारे मे विश्व के अधिकांश लोगों को काफी जानकारी है। स्कूल कॉलेज मे भी इस विषय पर काफी कुछ पढ़ाया जाता है। पर बड़े खेद की बात है कि प्राचीन भारत के महान वैज्ञानिकों के बारे मे आज भी संसार बहुत कम जानता है। प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि धर्म, दर्शन, विज्ञान, वास्तु, ज्योतिष, खगोल, स्थापत्य कला, नृत्य कला, संगीत कला, आदि सभी तरह के ज्ञान का जन्म भारत में हुआ है ऐसा कहने में कोई गुरेज नही, क्योंकि इसके हजारों प्रमाण हैं।

तिरंगे के नीचे ही सबकी प्रगति संभव: सी.पी. शर्मा

स्वतंत्रता दिवस पर हुए कई आयोजन

प्राकृतिक चिकित्सा दवा रहित, सर्वसुलभ, साइड इफेक्ट रहित चिकित्सा पद्धति है: डॉ.रमेश देवानी

Pradhan Mantri Gati Shakti Yojana will enable India to become the trading capital of the world-Shri C.P.Sharma

अकादमिक परिषद की बैठक में हुए निर्णय शिक्षा नीति को केंद्र में रखकर कार्ययोजना बनाई जाएगी

निटर एवं सिपेट भोपाल के बीच हुए समझौते पर हस्ताक्षर

इन विषयों पर हुए निर्णय

Young generation should recognize and be proud of our rich Indian scientific tradition

Action plan should be prepared keeping in view new education policy

Important decisions taken in the meeting of NITTTR Bhopal Academic Council

City 3

Regional Consultation Meet held at NITTR

आज हिंदी को विश्व की नहीं, बल्कि विश्व को हिंदी की जरुरत : प्रो. डहेरिया

NITTTR Bhopal & Commonwealth of Learning Centre initiated discussion on Joint Vocational Education Program

एन.आई.टी.टी.टी.आर. भोपाल में मिलेट्स के व्यंजन प्रतियोगिता आयोजित

टेक्नोलॉजी आम आदमी तक पहुंचना जरूरी : डॉ. वीरेन्द्र

रीजनल कंसलटेटिव कार्यशाला का आयोजन

विश्व की आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षक निर्माण करें : प्रो. सीसी त्रिपाठी

स्टार समाचार | भोपाल

एनआईटीटीटीआर, भोपाल में निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने संस्थान द्वारा किये जा रहे कार्यो की समीक्षा की। निदेशक महोदय ने तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में किये गये कार्यों एवं भविष्य में आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि संस्थान में कार्यरत हर व्यक्ति महत्वपूर्ण एवं अद्वितीय है एवं अपने-अपने उत्तदायित्वों का निर्वहन कर रहा है। संस्थान विकास हेतु हम सभी को रचनात्मक एवं सकारात्मक भूमिका निभाते हुए नये उत्तदायित्व हेतु पहल करनी चाहिए। उन्होंने संस्थान के प्रत्येक विभाग को शिक्षण में नवाचार एवं शोध कार्य करने को प्रेरित किया, साथ ही शोध, शिक्षण एवं प्रशिक्षण को समाज के लिए उपयोगी कैसे बनायें, नवीन प्रौद्योगिकी एवं भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं को शिक्षकों के माध्यम से विद्यार्थियों तक पहुंचाना, स्टार्टअप, उद्यमिता हेतु सहयोग आदि विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि हम ग्लोबल की बात जरूर करें लेकिन लोकल को ना भूले। प्रो. त्रिपाठी ने कहा कि आज हमें 21वीं सदी के लिए विश्व की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए शिक्षक निर्माण का कार्य करना है। समय के साथ-साथ शिक्षकों की भूमिका में महत्वपूर्ण परिवर्तन आया है। प्रौद्योगिकी के नवीन क्षेत्र, सहयोगी एवं अनुभवात्मक ज्ञान, संगठानात्मक व्यवहार एवं बहुविषयक शिक्षा आदि क्षेत्रों में कार्य करना समय की मांग है। हम इस दिशा में शीघ्र पहल करने जा रहे है। संस्थान द्वारा इंडस्ट्री 4.0 और डिजिटलीकरण के क्षेत्र में उच्च कौपल प्रषिक्षण, औद्योगिक परामर्ष और अनुसंधान कार्य प्रदान करने के लिए, स्थापित उत्कृष्टता केन्द्र एवं टीचिंग लर्निंग सेन्टर द्वारा संयुक्त रूप से शिक्षण सहायता सामग्री का विकास करेंगे एवं उसके बौद्धिक संपदा अधिकार को संरक्षित कर उसके व्यवसायिकरण में सहायता प्रदान करेंगे। हमें उद्योग जगत के साथ एक मजबूत सांझेदारी करते हुए उनके अनुभवों को अपने शिक्षक एवं विद्यार्थियों तक पहुंचाने का कार्य करना होगा। देशभर में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ठ कार्य कर रहे विशेषज्ञों के व्याख्यान आयोजित कर उन्हें रिकॉर्ड करें। प्रो. त्रिपाठी ने निटर, भोपाल द्वारा तकनीकी शिक्षकों हेतु बनाये गये मूक कार्यक्रमों की भी सराहना की। प्रो. त्रिपाठी ने संस्थान द्वारा बनाये गये शिक्षण एवं सीखने के सभी संसाधनों को मातृभाषा हिन्दी में अनुवाद किये जाने का सुझाव दिया।

दिल से किया गया कार्य बोलता है : प्रो . त्रिपाठी

भोपाल, 15 जुलाई. एनआईटीटीटीआर भोपाल में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति क्र01 की वर्ष की अर्धवार्षिक बैठक 15 जुलाई को आयोजित की गई.

बैठक में लगभग 70 नराकास के सदस्य कार्यालयों के कार्यालय प्रमुख एवं राजभाषा अधिकारी बैठक में शामिल हुए. इस अवसर पर बोलते हुए निटर भोपाल के निदेशक एवं नराकास के अध्यक्ष प्रो० सी०सी० त्रिपाठी ने कहा कि निटर भोपाल हिन्दी में कार्य करने के प्रति सजग एवं वचनबद्ध है. तकनीकी संस्थान होने के बाद भी हमारे संस्थान का प्रत्येक व्यक्ति हिन्दी में कार्य अपने दिल से करता है एवं दिल से किया गया कार्य बोलता एवं दिखता है. हमारे यहां हिन्दी में कार्य औपचारिकता निभाने के लिए नहीं अपितु अपनी मातृभाषा के प्रति हमारे समर्पण लगाव एवं सम्मान को दर्शता है. आज हमारा दूर्भाग्य है कि सरकार को विभिन्न कार्यालयों को हिन्दी में कार्य करने हेतु आदेश जारी करना पड़ता है. जिससे मन में पीड़ा होती है. विभिन्न देशों ने अपनी मातृभाषा में ही शिक्षा देकर विकसित देश की श्रेणी में शामिल हुए हैं. नई शिक्षा नीति-2020 इस दिशा में एक सार्थक कदम है

Work speaks itself if done by heart : Prof.C.C.Tripathi

The Cliff News • Bhopal

The half yearly meeting of the Nagar Rajbhasha Implementation Committee for the year 2022 was held on July 15th, 2022 at NITTTR Bhopal. The meeting was attended by approximately 60 Head and hindi officers of the central institutions. Speaking on the occasion, Director NITTTR Bhopal and President of Nagar Rajbhasha Implementation Committee Prof. C.C. Tripathi said that NITTTR Bhopal has both the consciousness and commitment to work in Hindi. Even after being a technical institute, every person of our institute works in Hindi from his heart & if the work is done wholeheartedly it automatically speaks out loud.. The work in Hindi is not a formality, but shows dedication, attachment and respect for the mother tongue. He said that it is unfortunate that in this hindi speaking nation the government has to issue orders for adoption of hindi as the official communication language for official works. There have been several nations that have joined the race of developing nations but have been succesful in preservation of their mother tongue, but its unfortunate on our part. The NewEducation Policy-2020 has been a reenforcing step in this direction. The Director of Hindi Granth Academy and Chief Guest of the program D. Vikas Dave said that Hindi is the language of the heart, that works to connect the hearts. The officers that had come from different departments presented reports of the tasks done by the respective departments and also informed about the upcoming activities. Secretary Shobha Lekhwani conducted the program and submitted the report of the event.

एनआईटीटीटीआर भोपाल में संयुक्त रूप से उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना

भोपाल। एनआईटीटीटीआर, भोपाल ने इंडस्ट्री 4.0 और डिजिटलीकरण के क्षेत्र में उच्च कौशल प्रशिक्षण, औद्योगिक परामर्श और अनुसंधान कार्य प्रदान करने के लिए सीमेंस इंडस्ट्री सॉफ्टवेयर (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर संयुक्त रूप से उत्कृष्टता केन्द्र स्थापित किया है। इस केन्द्र की स्थापना हेतु शिक्षा मंत्रालय ने देश के चारों एनआईटीटीटीआर के कार्यो को देखते हुए एनआईटीटीटीआर, भोपाल को इस केन्द्र हेतु स्वीकृति प्रदान की है।

एनआईटीटीटीआर, भोपाल के निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी के अनुसार निटर, भोपाल सेन्टर ऑफ एक्सीलेन्स की स्थापना के माध्यम से शिक्षण, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने जा रहा है। यह केन्द्र नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार स्पेशलाईज्ड लेब में उद्योग जगत के लिए मानव संसाधन की आवश्यकता को भी पूर्ण करेगा। इस केन्द्र में इंटर डिसीप्लेनरी विषयों के 300 से ज्यादा स्नातक स्तर के विद्यार्थी एक साथ रियल लाईफ की इंजीनियरिंग प्रोब्लम्स पर सिम्यूलेशन टूल्स व हाई एण्ड हार्डवेयर के माध्यम से अपेक्षित परिणाम प्राप्त कर सकेगें। इस केन्द्र में जून माह से विद्यार्थी 4 से 6 सप्ताह एवं 6 माह की समर ट्रेनिंग के साथ अनुसंधान कर सकेगें। केन्द्र के अध्यक्ष प्रो. के.के. जैन के अनुसार उत्कृष्टता केन्द्र में ग्यारह प्रयोगशालाओं की स्थापना के लिए सीमेंस इंडस्ट्री सॉफ्टवेयर (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड (प्रौद्योगिकी भागीदार) के साथ मेसर्स 3-डी इंजीनियरिंग ऑटोमेशन एलएलपी, पुणे (निष्पादन भागीदार) के साथ समझौता ज्ञापन किया गया था। ये ग्यारह प्रयोगशालाएं जिनमें एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग, सीएनसी कंट्रोलर, इलेक्ट्रिकल एंड एनर्जी सेविंग, इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस डिजिटलाइजेशन, मेकाट्रोनिक्स, प्रोसेस ऑटोमेशन एंड इंस्ट्रूमेंटेशन, प्रोडक्ट डिजाइन एंड वैलिडेशन, रोबोटिक्स, सिमुलेशन, ऑप्टिमाइजेशन एण्ड टेस्ट लैब सम्मलित है।

India's freedom struggle is one of the greatest and glorious struggles of the world: Prof. C. C. Tripathi

The Cliff News • Bhopal

Under the 'Azadi Ka Amrit Mahotsav' program at NITTTR Bhopal, a brief biography of the prominent Hindi authors of the country was revealed with photographs. On this occasion Director Prof. C.C. Tripathi said that poets, litterateurs and writers have an important contribution in this great sacrifice of independence, they have inspired the general public to inculcate and nurture the feeling of patriotism and become a part of the freedom movement. Be it Makhanlal Chaturvedi's best poem mujhe tod lena mujhe Vanamali, Maithilisharan Gupta's poem hey matribhoomi, Dushyant Kumar's ghazal 'Ho gayi hai Pir parvat si pighalni chahiye, Premchand's Rangbhoomi, Karmabhoomi novel or Bharatendu Harishchandra's Bharat Darshan or Jaishankar Prasad's Chandragupta, all are filled with the feeling of patriotism. Ramdhari Singh Dinkar created such a light of patriotism with his poetry that people came out of their homes and took part in the freedom movement. Dr. C. C. Tripathi also stating the importance of 'Azadi Ka Amrit Mahotsav' said that India's freedom struggle has been one of the greatest and glorious struggles of the world so far. This time the occasion is also special because the country is celebrating the 75th year of independence as Amrit Mahotsav. This festival is such an elixir of freedom of revolutionaries, freedom fighters, patriots, which inspires us to remain devoted to the country. The Prime Minister of our country started it from Sabarmati Ashram in 2021, Mahatma Gandhi conducted the freedom struggle from this area. Program coordinator and public relations officer Prof. P.K. Purohit On this occasion, said in the words of the poet Mohammad Iqbal that - "Kuch bat hi hamme hai aisi ki hasti mitati nahi hamari." These writers include Munshi Premchand, Ramdhari Singh Dinkar, Mahadevi Verma, Balkrishna Sharma 'Naveen', Suryakant Tripathi 'Nirala', Pandit Godavarish Mishra, Pandit Makhanlal Chaturvedi, Gajanan Madhav 'Muktibodh', Subhadra Kumari Chauhan, Harishankar Parsai, Bhawaniprasad Mishra, Shivmangal Singh ,Suman, Dushyant Kumar, Rabindranath Tagore, Mahakavi Subramanya Bharati, Thiruvalluvar, Bankimchand Chatterjee, Bharatendu Harishchandra, Sumitr- anandan Pant, Jaishankar Prasad, Maithilisharan Gupt etc. Faculty members, Officer employees of the institute were present on this occasion.

उत्कृष्टता केंद्र में 11 प्रयोगशाला, विद्यार्थी 6 महीने की ट्रेनिंग में सीख सकेंगे इंटरनेट ऑफ थिंग्स व रोबोटिक्स

एनआईटीटीटीआर भोपाल में उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना

लोकल सिटी रिपोर्टर

एनआईटीटीटीआर भोपाल ने इंडस्ट्री 4.0 और डिजिटलीकरण के क्षेत्र में उच्च कौशल प्रशिक्षण, औद्योगिक परामर्श और अनुसंधान कार्य प्रदान करने के लिए सीमेंस इंडस्ट्री सॉफ्टवेयर (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर संयुक्त रूप से उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया है। शिक्षा मंत्रालय ने देश के चारों एनआईटीटीटीआर में से एनआईटीटीटीआर भोपाल को इस केंद्र हेतु स्वीकृति प्रदान की है।

केंद्र में जून माह से विद्यार्थी कर सकेंगे समर ट्रेनिंग

एनआईटीटीटीआर भोपाल के निदेशक प्रो. सीसी त्रिपाठी ने बताया कि निटर भोपाल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना के माध्यम से शिक्षण, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करने जा रहा है। यह केंद्र नई शिक्षा नीति 2020 के अनुसार स्पेशलाइज्ड लैब में उद्योग जगत के लिए मानव संसाधन की आवश्यकता को भी पूर्ण करेगा। इस केंद्र में इंटर डिसीप्लेनरी विषयों के 300 से ज्यादा स्नातक स्तर के विद्यार्थी एक साथ रियल लाइफ की इंजीनियरिंग प्रोब्लम्स पर सिम्युलेशन टूल्स व हाई एंड हार्डवेयर के माध्यम से अपेक्षित परिणाम प्राप्त कर सकेंगे। इस केंद्र में जून माह से विद्यार्थी 4 से 6 सप्ताह एवं 6 माह की समर ट्रेनिंग के साथ अनुसंधान कर सकेंगे।

प्रयोगशाला में इंस्ट्रुमेंटेशन प्रोडक्ट डिजाइन एंड वैलिडेशन और मैन्युफेक्चरिंग प्रोसेस डिजिटलाइजेशन

केंद्र के अध्यक्ष प्रो. केके जैन ने बताया कि उत्कृष्टता केंद्र में ग्यारह प्रयोगशालाएं हैं, जिनमें एडिटिव मैन्युफेक्चरिंग, सीएनसी कंट्रोलर, इलेक्ट्रिकल एंड एनर्जी सेविंग इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, मैन्युफेक्चरिंग प्रोसेस डिजिटलाइजेशन, मेकाट्रोनिक्स प्रोसेस ऑटोमेशन एंड इंस्ट्रुमेंटेशन प्रोडक्ट डिजाइन एंड वैलिडेशन, रोबोटिक्स, सिमुलेशन, ऑप्टिमाइजेशन एंड टेस्ट लैब सम्मलित हैं।

www.thecliffnews.com | INTERNATIONAL

The world needs Hindi Today - Prof. Khem Singh Daheria

The Cliff News • Bhopal

Hindi Pakhwada concluded at NITTTR Bhopal on Thursday. The chief guest of the program, Prof. Khem Singh Daheria, Vice Chancellor, Atal Bihari Vajpayee, Hindi University said on this occasion that today Hindi does not need the world but the world needs Hindi.

Today, in this era of liberalization & globalization, Hindi has put on his mark in the world . The United Nations has also recognized Hindi as a language of contact and according to the new survey, Hindi has become the most spoken language in the world. Before this, Mandarin language of China was the most spoken language.

Director of NITTTR Bhopal, Prof. C.C. Tripathi said that there can be no alternative to mother tongue Hindi. Hindi is the pride of our country. Let us all take a pledge to spread the love, promotion, experimentation, influence, inspiration towards Hindi more widely.

In Hindi Pakhwada, many competitions were organized in NITTTR Bhopal, winners were also given prizes. Members of the jury of various competitions, Mrs. Vandana Tripathi, Prof. Ashok Sharma, Prof. Saroj Rangrekar were present. For doing excellent work in Hindi in the institute, the Department of Applied Science was given a shield, which was received by Dr. PK Purohit, the head of the department and other faculty members and staff. The coordinator of the program was Dr. Vandana Somkuwar and the progaram was conducted by Mrs. Shobha Lekhwani.